भाद्रपद शुक्ल - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 44 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 06-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार के लोगों की तुलना 'बीड़ी' से करना 'सभी बिहारियों का अपमान'

6 जीएसटी का नया दौर : कराधान व्यवस्था क्रांति की ओर

7 'घाटी' से अनुष्का शेट्टी की वापसी

फर्स्ट टेक

ब्रिटेन की उप प्रधानमंत्री ने घोटाले के बाद दिया इस्तीफा

लंदन/भाषा। ब्रिटेन की उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने शुक्रवार को संपत्ति कर की सही राशि का भुगतान न करने के मामले के सामने आने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया । बीबीसी की खबर के मुताबिक श्रीमती रेनर ने दो दिन पहले यह स्वीकार किया था कि उन्होंने होव स्थित अपने 800000 पाउंड के फ्लैट पर देय स्टाम्प शुल्क का कम भुगतान किया था। इसके बाद अब उन्होंने आवास सचिव और उप प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने लेबर पार्टी की उप नेता के पद से भी इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा प्रधानमंत्री के आचार संबंधी सलाहकार सर लॉरी मैग्नस के यह कहने के बाद आया है कि श्रीमती रेनर ने ईमानदारी से काम किया लेकिन उन्होंने मंत्रिस्तरीय आचार संहिता का उल्लंघन भी किया है।

चीन ने नए परीक्षण उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया

शीचांग/भाषा। चीन ने शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी प्रांत सिचुआन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से एक नया परीक्षण उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। शियान-29 उपग्रह को बीजिंग समयानुसार प्रातः 10:34 बजे लॉन्ग मार्च-3सी रॉकेट के माध्यम से प्रक्षेपित किया गया, जिसमें युआनझेंग-1 (एक्सपीडिशन-1) का ऊपरी हिस्सा ले जाने वाले रॉकेट से जुड़ा हुआ था। उपग्रह सफलतापूर्वक अपने पूर्व निर्धारित कक्ष में पहुंच गया। इसका इस्तेमाल मुख्यत: अंतरिक्ष पर्यावरण अन्वेषण और संबंधित प्रौद्योगिकी परीक्षण के लिए होगा। यह लॉन्ग मार्च रॉकेट सीरीज के साथ 592वां उड़ान है।

पाकिस्तान में 40 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नदियों का जल स्तर बढ़ने और नदी तटबंधों के टूटने से आयी बाढ़ के से लगभग 40 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और उन्हें विस्थापित होना पड़ा है। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रावी, सतलज और चेनाब नदियों में आयी भीषण बाढ़ ने पूरे देश के सबसे अधिक आबादी वाले पंजाब प्रांत में तबाही मचा दी है, जिससे 12 करोड़ 7 लाख से अधिक आबादी प्रभावित हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान सैकड़ों गांव डूब गए, जिससे बाढ़ प्रभावित गांवों की संख्या बढ़कर 4000 से अधिक हो गई तथा लाखों एकड़ में फैली फसलें जलमग्न हो गईं हैं। पीडीएमए की आंकड़ों के मुताबिक आने वाले दिनों में बाढ़ की भयानक स्थिति को देखते हुए फंसे 20 लाख से अधिक लोगों को प्रांत के सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया।

06-09-2025 सूर्यास्त 6:27 बजे | 07-09-2025 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
80,710.76	24,741.00
(-7.25)	(+6.70)

सोना	चांदी
11,081 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	127,055 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अंतहीन व्यभिचार

बढ़ रहे रोज दुष्कर्म आज,
बालिग नाबालिग सब शिकार।
हो रहे पतित इंसान यहां,
हर मन के भीतर दुराचार।
क्या कारण है इसका आखिर,
सोचे निज मन में सभी यार।
या तो भीतर इंसान मरा,
या सिस्टम में आया विकार।।

'स्मार्ट' कक्षाओं और ब्लैकबोर्ड से ज्यादा जरूरी है 'स्मार्ट' शिक्षक : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 81 शिक्षकों को उनकी अनूठी शिक्षण पद्धतियों के लिए शुक्रवार को इस वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों में 'स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट क्लासरूम' और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण चीज 'स्मार्ट' शिक्षक हैं।

एक शिक्षिका के रूप में अपने समय को याद करते हुए उन्होंने इसे अपने जीवन का बहुत ही सार्थक काल बताया।

मुर्मू विज्ञान भवन में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रही थीं, जहां उन्होंने 60 से अधिक शिक्षकों को शिक्षण और सीखने में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने कहा, स्मार्ट ब्लैकबोर्ड, स्मार्ट क्लासरूम और अन्य आधुनिक सुविधाओं का अपना महत्व है। लेकिन सबसे ज़रूरी है स्मार्ट शिक्षक... स्मार्ट शिक्षक वे शिक्षक होते हैं जो अपने छात्रों के विकास की ज़रूरतों को समझते हैं। स्मार्ट शिक्षक स्नेह और संवेदनशीलता से पढ़ाई को रोचक और प्रभावी बनाते हैं। उन्होंने कहा, ऐसे शिक्षक छात्रों को समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाते हैं। समझदार शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना पैदा करने का काम करते हैं। मुर्मू ने कहा कि विद्यार्थियों के चरित्र का निर्माण करना शिक्षक का प्राथमिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा, नैतिक आचरण का पालन करने वाले संवेदनशील, ज़िम्मेदार और समर्पित छात्र, उन छात्रों से बेहतर होते हैं जो केवल प्रतिस्पर्धा, किताबी ज्ञान और स्वार्थ में रुचि रखते हैं। एक अच्छे शिक्षक में ज्ञान के साथ संवेदना भी होती है। संवेदना और ज्ञान का समन्वय छात्रों पर भी प्रभाव डालता है।

राष्ट्रपति ने कहा, सबसे गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी शिक्षा की शक्ति से उन्नति के शिखर को छू सकते हैं। बच्चों की उड़ान को शक्ति देने में स्नेही और समर्पित शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार यह है कि उनके छात्र उन्हें जीवन भर याद रखें और परिवार, समाज और देश के लिए सराहनीय योगदान दें।

चीन के साथ सीमा विवाद सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती : सीडीएस

- पाकिस्तान द्वारा चलाया जा रहा "छद्म युद्ध" और "हजारों जख्मों से भारत को लहूलुहान करने" की उसकी नीति दूसरी सबसे गंभीर चुनौती है।
- सशस्त्र बलों को 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी गई थी और इसका उद्देश्य न केवल पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेना था, बल्कि सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर एक "लक्ष्मण रेखा" भी खींचना था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि चीन के साथ अनसुलझा सीमा विवाद भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है तथा पाकिस्तान द्वारा चलाया जा रहा ''छद्म युद्ध'' और ''हजारों जख्मों से भारत को लहूलुहान करने'' की उसकी नीति दूसरी सबसे गंभीर चुनौती है।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल चौहान ने क्षेत्रीय अस्थिरता और उसके भारत पर प्रभाव को तीसरी बड़ी चुनौती के रूप में तथा तेजी से बदलते चुनौतीपूर्ण माहौल में उच्च प्रौद्योगिकी से युक्त भविष्य के युद्धक्षेत्र परिदृश्यों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियों को चौथी बड़ी चुनौती के रूप में चिह्नित किया।

जनरल चौहान ने कहा कि परमाणु हथियारों से लैस दो प्रतिद्वंद्वियों से उत्पन्न खतरों से निपटना भारत के समक्ष एक और बड़ी चुनौती है, क्योंकि उसे किसी भी तरह के पारंपरिक युद्ध के लिए तैयार रहना होगा।

उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों को 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाने के लिए पूरी स्वतंत्रता दी गई थी और इसका उद्देश्य न केवल पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेना था, बल्कि सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर एक ''लक्ष्मण रेखा'' भी खींचना था।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया गया था, जिसमें पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में, सीडीएस ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) ने सेना को मार्गदर्शन प्रदान करने के संदर्भ में 'ऑपरेशन सिंदूर' की योजना बनाने और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें लक्ष्य चयन, सैनिकों की तैनाती आदि के लिए रूपरेखा और कूटनीति का उपयोग शामिल था।

लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है।

यह बात ऐसे समय में कही गई है जब अमेरिकी टैरिफ (शुल्क) को लेकर भारत और अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय में संभवतः सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है जब कुछ ही दिन पहले चीन के शहर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गर्मजोशी से हुई बातचीत ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, लगता है हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। साथ में उनका भविष्य दीर्घकालिक और समृद्ध हो!''

ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में खटास आ गई है, जिसमें रूसी कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

अतिरिक्त शुल्क 27 अगस्त से लागू हो चुका है।

भारत ने पीटर नवारो की टिप्पणियों को खारिज किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए नई दिल्ली पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को ''गलत और भ्रामक'' बताते हुए शुक्रवार को खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने नवारो द्वारा दिए गए गलत और भ्रामक बयानों को देखा है और हम उन्हें स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। पिछले सप्ताह, नवारो ने भारत पर ''क्रेमलिन के लिए तेल धन शोधन केन्द्र'' होने का आरोप लगाया था।

हम यूक्रेन संघर्ष के शीघ्र अंत का समर्थन करते हैं : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह यूक्रेन संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने और क्षेत्र में स्थायी शांति की वापसी का समर्थन करता है।

विदेश मंत्रालय की यह टिप्पणी यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए वाशिंगटन द्वारा नए सिरे से किए जा रहे प्रयासों के बीच आई है।

मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, जहां तक यूक्रेन में संघर्ष का सवाल है, हम यूक्रेन में शांति स्थापित करने की दिशा में हाल के सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। उन्होंने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। भारत संघर्ष के शीघ्र अंत और स्थायी शांति की स्थापना का समर्थन करता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्रेई सिबिहा के साथ यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की। जयशंकर के साथ फोन पर बातचीत के बाद सिबिहा ने कहा कि उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष को ''वर्तमान युद्ध की स्थिति और यूक्रेन की ओर से न्यायोचित शांति प्राप्त किए जाने के प्रयासों'' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, हम शत्रुता की पूर्ण समाप्ति और व्यापक अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयासों के समर्थन में भारत की बुलंद आवाज और सक्रिय भूमिका पर भरोसा करते हैं।

धोखाधड़ी मामले में

शिल्पा शेट्टी, उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके व्यवसायी पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एलओसी जारी किया, क्योंकि शिल्पा और उनके पति अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू थाने में एक कारोबारी से ऋण-सह-निवेश सौदे में कथित तौर पर लगभग 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था। लुकआउट सर्कुलर एक ऐसी व्यवस्था है, जिसका उपयोग आमतौर पर आव्रजन और सीमा नियंत्रण चौकियों को अलर्ट जारी कर किसी व्यक्ति को देश छोड़ने से रोकने या उसकी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए किया जाता है। बाद में, मामला जांच के लिए आर्थिक अपराध शाखा को सौंप दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि जुहू निवासी 60 वर्षीय व्यापारी दीपक कोठारी ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी।

अनुतिन चार्नविराकुल थाइलैंड के अगले प्रधानमंत्री होंगे

बैंकॉक/एपी। थाईलैंड के वरिष्ठ नेता अनुतिन चार्नविराकुल देश के अगले प्रधानमंत्री होंगे। संसद में हुए मतदान में शुक्रवार को उन्होंने बहुमत हासिल कर लिया। टीवी पर प्रसारित एक अनौपचारिक मतगणना में यह जानकारी सामने आई है। भूमजैथाई पार्टी के नेता अनुतिन ने प्रतिनिधि सभा के 492 सदस्यों में से 247 से अधिक वोट हासिल किए हैं-जो कि बहुमत के लिए जरूरी आंकड़ा है। मतदान पूरा होने के बाद उनके कुल मतों की पुष्टि होनी है। राजा महा वजीरालोंगकोर्न द्वारा औपचारिक तौर पर नियुक्ति किए जाने के बाद, अनुतिन और उनकी सरकार के कुछ ही दिन में पदभार ग्रहण करने की उम्मीद है।

मुलाकात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मुलाकात के बाद कहा कि भारत और भूटान के बीच ''सदाबहार'' साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है। जयशंकर-तोबगे के बीच वार्ता के दौरान विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। भूटान के प्रधानमंत्री भारत की यात्रा पर हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज शाम भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मुलाकात कर प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। हमारी अनूठी और सदाबहार साझेदारी निरंतर मजबूत होती जा रही है।''

'द बंगाल फाइल्स' के सामने आ रहीं दिक्कतें, कानूनी कार्रवाई की योजना : विवेक अग्निहोत्री

- निर्देशक ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल के कई सिनेमाघर मालिकों ने उन्हें जानकारी दी है कि उन्हें फिल्म के प्रदर्शन को लेकर डराया जा रहा है।

मुंबई/भाषा। फिल्मकार विवेक अग्निहोत्री ने पश्चिम बंगाल सरकार और पुलिस अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे राज्य के सिनेमा मालिकों को उनकी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को प्रदर्शित न करने के लिए धमका रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में फिल्म निर्माता कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। 'द बंगाल फाइल्स' अग्निहोत्री की 'द फाइल्स' शृंखला की तीसरी और अंतिम फिल्म है। इस शृंखला में इससे पहले 'द ताशकंद फाइल्स' (2019) और 'द कश्मीर फाइल्स' (2022) शामिल रही हैं। नई फिल्म 1946 के अगस्त महीने में कोलकाता में हुए सांप्रदायिक दंगों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। 'द बंगाल फाइल्स' शुक्रवार को रिलीज़ होने जा रही है और इसमें मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, पल्लवी जोशी, सास्वत चटर्जी और दर्शन कुमार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के बृहस्पतिवार को आयोजित प्रीमियर के मौके पर अग्निहोत्री ने संवाददाताओं से कहा, पश्चिम बंगाल सरकार जो कुछ भी कर रही है, वह पूरी तरह से अवैध और असंवैधानिक है। हम रिट याचिका दाखिल करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन कल की स्थिति के आधार पर ही अंतिम निर्णय लेंगे और आगे की कानूनी कार्रवाई करेंगे। निर्देशक ने दावा किया कि राज्य के कई सिनेमाघर मालिकों ने उन्हें जानकारी दी है कि उन्हें फिल्म के प्रदर्शन को लेकर डराया जा रहा है। उन्होंने कहा, कई थिएटर मालिकों, जिनमें प्रमुख मल्टीप्लेक्स चेन भी शामिल हैं, का कहना है कि उन्हें पुलिस की ओर से धमकी दी गई है कि अगर वे फिल्म रिलीज़ करते हैं तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

मानवीय आधार पर पाकिस्तान के साथ बाढ़ के आंकड़े साझा किए: भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह मानवीय आधार पर राजनयिक माध्यमों से पाकिस्तान के साथ बाढ़ से संबंधित आंकड़े साझा कर रहा है, जबकि सिंधु जल संधि निलंबित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत, इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के माध्यम से पाकिस्तान को बाढ़ संबंधी आंकड़े उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा, ''हम आवश्यकता पड़ने पर अपने राजनयिक माध्यमों से पाकिस्तान के साथ बाढ़ के आंकड़े साझा करते रहे हैं। यह आदान-प्रदान इस्लामाबाद स्थित हमारे उच्चायोग के माध्यम से हो रहा है।'' जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''आपने देखा कि भारत और दुनिया के किन-किन हिस्सों में किस प्रकार की बारिश हो रही है। यह आंकड़े मानवीय आधार पर साझा किए जा रहे हैं।'' भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के एक दिन बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक उपायों की घोषणा की थी, जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी शामिल था।

भारत में 2022 के बाद सबसे लंबा चंद्रग्रहण कल की रात दिखेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। वर्ष 2022 के बाद भारत में दिखाई देने वाला सबसे लंबा पूर्ण चंद्रग्रहण सात सितंबर की रात को होगा। खगोलविदों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 27 जुलाई, 2018 के बाद यह पहली बार होगा जब देश के सभी हिस्सों से पूर्ण चंद्रग्रहण देखा जा सकेगा।

भारतीय खगोलीय सोसाइटी (एएसआई) की जनसंपर्क और शिक्षा समिति (पीओईसी) की अध्यक्ष और नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे में एसोसिएट प्रोफेसर दिव्या ओबेरॉय ने कहा, आपको इसके बाद इतने लंबे चंद्रग्रहण को देखने के लिए 31 दिसंबर, 2028 तक इंतजार करना होगा।

ओबेरॉय ने बताया कि ग्रहण दुर्लभ होते हैं तथा हर पूर्णिमा या अमावस्या को नहीं होते, क्योंकि चंद्रमा की कक्षा सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की कक्षा से लगभग पांच डिग्री झुकी हुई है। चंद्र ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है, जिससे उसकी छाया चंद्र सतह पर पड़ती है। पीओईसी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक ग्रहण की शुरुआत सात सितंबर को रात 8.58 बजे शुरू होगी।

भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान में विज्ञान, संचार, जनसंपर्क और शिक्षा (स्कोप) अनुभाग के प्रमुख निरुज मोहन रामानुजम ने बताया कि सूर्य ग्रहण के विपरीत, पूर्ण चंद्र ग्रहण देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती है और इसे नंगी आंखों, दूरबीन या टेलीस्कोप से सुरक्षित रूप से देखा जा सकता है। आंशिक चंद्र ग्रहण सात सितंबर को रात 9.57 बजे से देखा जा सकता है। जवाहरलाल नेहरू तारामंडल की पूर्व निदेशक बीएस शैलजा ने बताया कि पूर्ण चंद्रग्रहण 11.01 बजे शुरू होने की संभावना है। मोहन ने बताया, पूर्ण चंद्र ग्रहण रात 11.01 बजे से रात 12.23 बजे तक रहेगा और इसकी अवधि 82 मिनट की होगी। आंशिक चरण रात 1.26 बजे समाप्त होगा और ग्रहण सात सितंबर देर रात 2.25 बजे समाप्त होगा।

उड़ान पोस्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड पर आयोजित 'जीतो जेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' के उद्घाटन के मौके पर शुक्रवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा मैसूरु जीतो का उड़ान प्रोजेक्ट का पोस्टर का विमोचन किया। इस मौके पर जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, पूर्व चेयरमैन कांतिलाल जैन, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सचिव प्रेम पालरेचा, लेडीज़ विंग चेयरमैन पर्सन मोना भटेवरा, उप चेयरपर्सन सरिता बागमार, सपना गांधी, मुख्य सचिव रजनी डाकलिया,कोषाध्यक्ष मीनाक्षी कोठारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

केंद्र इस बात पर निगरानी रखेगा कि जीएसटी का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी रखेगा कि जीएसटी को तर्कसंगत बनाने का लाभ उपभोक्ताओं तक पूरी तरह से पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि उद्योग जगत ने उन्हें आश्वासन दिया है कि विभिन्न वस्तुओं पर करों में पूरी तरह से कमी उनकी कीमतों में दिखाई देगी।

जीएसटी परिषद का अहितकर वस्तुओं को छोड़कर सभी उत्पादों को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के स्लैब में लाने और कई आवश्यक वस्तुओं पर कर शून्य करने का निर्णय 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन से लागू होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, गोयल ने इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के अमेरिका के फैसले ने मोदी सरकार को सुधारों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया होगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय राज्यों और केंद्र के सचिवों और वित्त मंत्रियों के बीच लगभग एक साल तक चले विचार-विमर्श का परिणाम है।

गोयल ने कहा, इस फैसले (जीएसटी) का किसी भी देश के किसी भी फैसले से कोई संबंध नहीं है। इतना बड़ा बदलाव रातोंरात नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका का फैसला पिछले महीने ही लिया गया था। उन्होंने कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए निगरानी बनाए रखेगा कि उपभोक्ताओं को कम करों का पूरा

लाभ मिले, लेकिन राज्यों को भी इसकी निगरानी करनी चाहिए।

कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने सरकार पर वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था को 'देरी से' तर्कसंगत बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी अक्षमता उजागर कर दी है क्योंकि वे 2004-14 के दौरान सत्ता में रहते हुए जीएसटी लागू नहीं कर सके और केवल 'भ्रष्टाचार' में व्यस्त रहे। गोयल ने कर्नाटक और तेलंगाना की कांग्रेस सरकारों पर आरोप लगाया कि वे 3 सितंबर को इन सुधारों को मंजूरी देने से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद को रोकने की कोशिश की क्योंकि इससे उनकी अपनी पार्टी का 'पर्दाफाश' हो जाएगा। अंततः यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए, गोयल ने कहा कि वह एक ऐसे रॉकेट की तरह हैं जो कई प्रयासों के बावजूद उड़ान नहीं भर सका। गोयल ने कहा कि अब उन्हें खुद नहीं पता कि उन्होंने किसी मुद्दे पर पहले क्या कहा था और अब क्या कह रहे हैं, और देश के लोग उनकी टिप्पणियों से प्रभावित नहीं होते हैं। एक सवाल के जवाब में, मंत्री ने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार के फैसले चुनावों से प्रेरित नहीं होते। गोयल ने एक घटना का जिक्र किया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्री द्वारा घोषित की जाने वाली एक निवेश परियोजना से चुनाव वाले एक राज्य में भाजपा को फायदा होने की बात करने पर नाखुशी जताई थी। उन्होंने कहा कि मोदी ने उनसे चुनाव तक यह घोषणा नहीं करने को कहा था। उन्होंने आगे कहा कि अंततः भाजपा जीत गई और परियोजना की घोषणा बाद में की गई। उन्होंने राज्य का नाम नहीं बताया। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बिहार राज्य में कुछ ही हफ्ते में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। गोयल ने इस सुधार को ऐतिहासिक और व्यापक सुधार बताते हुए इसकी सराहना की, जिससे समाज के सभी वर्गों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले लगभग हर उत्पाद की कीमतें कम होंगी और उद्योग के हर क्षेत्र को फायदा होगा।

देश से कुल माल लदान में कोई कमी नहीं : सर्बानंद सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तूतीकोरिन/भाषा। अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के प्रभाव को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बीच केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि देश से होने वाले कुल माल लदान में कोई कमी नहीं आई है।

मात्रा की दृष्टि से भारत का लगभग 90 प्रतिशत विदेशी व्यापार तथा मूल्य की दृष्टि से 70 प्रतिशत विदेशी व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। जब वाशिंगटन द्वारा अमेरिका में

आयात किए जाने वाले भारतीय सामानों पर लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी शुल्क के प्रभाव के बारे में टिप्पणी करने के लिए कहा गया, तो सोनोवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने भारत से कुल माल लदान में कोई कमी नहीं देखी है। भारत और अमेरिका मार्च से द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। अमेरिका द्वारा 27 अगस्त को 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने अगले दौर की बातचीत के लिए भारत का अपना दौरा स्थगित कर दिया, जो 25 अगस्त से निर्धारित था। छठे दौर की वार्ता के लिए अभी कोई नई तारीख तय नहीं की गई है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने वीओसी बंदरगाह पर महान स्वतंत्रता सेनानी वीओ चिदंबरनार की 154वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में, मंत्री ने वीओसी बंदरगाह पर हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक परियोजना का उद्घाटन किया, जिससे यह देश में हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने वाला पहला बंदरगाह बन गया।

सेना ने लद्दाख में दो दक्षिण कोरियाई पर्वतारोहियों को बचाया, एक की मौत

लेह/जम्मू/भाषा। भारतीय सेना ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की एक चोटी से एक ट्रैकिंग अभियान के दौरान गंभीर रूप से बीमार दो दक्षिण कोरियाई नागरिकों को बचा लिया है।

हालाँकि, एक पर्वतारोही की इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

फायर एंड फ्यूरी कोर ने 'एक्स' पर कहा, चार सितंबर को एक पर्वतारोहण अभियान के दौरान लद्दाख की एक दुर्गम चोटी, कोंगमारुला के पास दो दक्षिण कोरियाई नागरिक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए।

पोस्ट में कहा गया है कि फायर एंड फ्यूरी कोर के आर्मी एविएशन हेलीकॉप्टरों ने 17,000 फुट की ऊँचाई पर रात में बचाव अभियान चलाया, ताकि पर्वतारोहियों को आगे के इलाज के लिए लेह के एसएनएम अस्पताल में समय पर पहुँचाया जा सके।

फायर एंड फ्यूरी कोर ने मारे गए पर्वतारोही के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

कर सुधारों से भविष्य में 10% की वृद्धि दर हासिल होगी: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि कर सुधारों की मदद से 'भारत को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि इन सुधारों में निकट भविष्य में देश को 10 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने में सक्षम बनाने की क्षमता है।

मुख्यमंत्री ने यहां मध्यस्थता पर एक सम्मेलन में कहा भारत 2047 के आसपास 'विश्व स्तर पर शीर्ष अर्थव्यवस्था' बन जाएगा। इस कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीशों ने भाग लिया। नायडू ने कहा, सभी कर सुधारों के साथ, हम अभी छह से सात प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रहे हैं। निकट भविष्य में 10 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की क्षमता है। अगर ये सभी बातें हो जाती हैं, तो भारत को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि ईएंडवाई ने भविष्यवाणी की है कि भारत 2038 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले भारत 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन अब यह चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। नायडू ने कहा कि आबादी संबंधी लाभ से बढ़त पाने वाली अर्थव्यवस्था को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा एक मजबूत नेता मिला है।

जय प्रकाश एसोसिएट्स का अधिग्रहण करेगी वेदांता, अदाणी को पीछे छोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वेदांता कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने गौतम अदाणी के समूह को पीछे छोड़ते हुए अधिग्रहण के लिए 17,000 करोड़ रुपए की सफल बोली लगाई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। रियल एस्टेट, सीमेंट, बिजली, होटल और सड़क के क्षेत्र में कार्यरत जेएएल ऋणों के भुगतान में चूक के बाद दिवाला कार्यवाही से गुजर रही है।

जेएएल के कर्जदाताओं ने दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत कंपनी की बिक्री के लिए एक प्रक्रिया आयोजित की। इस प्रक्रिया में कई बोलीदाताओं ने भाग लिया, लेकिन अंत में केवल दो कंपनियों - अदाणी और वेदांता समूह - ने ही बोलियां लगाईं।

वेदांता ने अदाणी समूह को पीछे छोड़ते हुए अंततः 17,000 करोड़ रुपए की सफल बोली लगाई, जिससे उसका शुद्ध मौजूदा मूल्य 12,505 करोड़ रुपए रहा।

केजरीवाल ने दिल्ली के शास्त्री पार्क में बाढ़ राहत शिविर का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को राजधानी में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए दिल्ली सरकार से पर्याप्त राहत सामग्री उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को खाद्य पदार्थों की आपूर्ति और उनके लिए तंबू (टेंट) की व्यवस्था करने में देरी हुई है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में बने एक राहत शिविर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार अफगानिस्तान में भूकंप पीड़ितों को राहत सामग्री भेज सकती है, तो दिल्ली के बाढ़ प्रभावित लोगों को भी समय पर मदद मिलनी चाहिए। केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा, मैं देख रहा हूं कि लोगों को दिक्कत हो रही है। उन्हें समय पर खाना नहीं मिल रहा। चारों तरफ मच्छर हैं। बारिश हो रही है, लेकिन तंबू कल लगाए गए। यह प्राकृतिक आपदा है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराए। पर्याप्त इंतजाम करना सरकार की जिम्मेदारी है।

केजरीवाल ने यह भी कहा कि पूरे दिल्ली में जलभराव की समस्या है। उन्होंने कहा, नालों की सफाई समय पर नहीं हुई। कई इलाकों में सीवर का पानी ऊपर आ रहा है और कई जगह पीने का पानी नहीं है। मैं सरकार से अपील करता हूं कि लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराए।

सरकारी विद्यालयों के शिक्षक दोपहर का भोजन छात्रों के साथ करें : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों से आह्वान किया कि वे दोपहर का भोजन छात्रों के साथ करें ताकि भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। रेड्डी ने शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें दुख होता है जब सरकारी विद्यालयों में खाद्य विषाक्तता की घटनाएं होती हैं, जबकि सरकार भोजन और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं के लिए धनराशि बढ़ा रही है।

शिक्षा विभाग का भी कार्यभार संभाल रहे रेड्डी ने कहा कि वह विद्यालयों का दौरा भी करेंगे और छात्रों के साथ भोजन करेंगे। अगर शिक्षक छात्रों के साथ भोजन करेंगे, तो इससे भोजन तैयार करने के उचित मानकों को बनाए रखने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से भोजन की गुणवत्ता और अन्य सुविधाओं में सुधार की आवश्यकताओं के बारे में सरकार को सूचित करने को कहा। रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम तरीकों का अध्ययन करने के लिए प्रतिवर्ष

लगभग 200 शिक्षकों को सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में भेजने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की वजह से सिंगापुर और जापान जैसे देशों में विकास हुआ है। रेड्डी ने कहा कि राज्य में लगभग 27,000 सरकारी विद्यालयों में 24 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि 11,000 निजी विद्यालयों में 34 लाख छात्र पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की योग्यता आमतौर पर निजी विद्यालयों के शिक्षकों से बेहतर होती है। रेड्डी ने कहा कि राज्य की नई शिक्षा नीति तैयार करने के लिए पूर्व राज्यसभा सदस्य के केशव राव, विधायक कादियम श्रीहरि और अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है। रेड्डी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सफलता का हवाला देते कहा, उन्हें दूसरे और तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्य रूप से शिक्षा में लाए गए बदलावों के कारण चुना गया।

व्यभिचार में रह रही पत्नी गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं : दिल्ली की अदालत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने एक तलाकशुदा महिला की वित्तीय सहायता की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए कहा कि व्यभिचार में रह रही पत्नी अपने पति से किसी भी तरह का गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं है। परिवार अदालत की न्यायाधीश नमृता अग्रवाल महिला की याचिका पर सुनवाई कर रही थीं, जिसमें कहा गया था कि अलग रह रहा पति कानूनी और नैतिक रूप से भरण-पोषण देने के लिए बाध्य है, लेकिन वह जानबूझकर इसकी अनदेखी कर रहा है। अदालत ने 20 अगस्त के आदेश में कहा कि दूसरी अदालत ने मई में दम्पति को इस आधार पर तलाक दे दिया था कि पत्नी व्यभिचार में रह रही थी, तथा वह विवाह के दौरान पति के प्रति वफादार नहीं थी। इसने कहा कि पूर्ववर्ती अदालत ने डीएनए परीक्षण रिपोर्ट पर भरोसा किया था, जिससे पता चला कि भले ही महिला उनके एक बच्चे की जैविक मां है, लेकिन पति उसका जैविक पिता नहीं था।

अदालत ने कहा, डीएनए परीक्षण रिपोर्ट और फैसले को याचिकाकर्ता द्वारा अब तक चुनौती नहीं दी गई है, जिसका अर्थ है कि वह व्यभिचार में रहने की बात स्वीकार करती है। इसने कहा कि पत्नी पर सास की हत्या का आरोप लगाया और उस पर मुकदमा चलाया गया, वह चार साल तक जेल में रही, लेकिन बाद में उसे बरी कर दिया गया और उसके बरी किए जाने के आदेश को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। अदालत ने कहा, इस प्रकार, पक्षों की गवाही के साथ-साथ पूर्ववर्ती अदालत द्वारा पारित निर्णय के आधार पर, यह स्थापित होता है कि प्रतिवादी (पत्नी) व्यभिचार में रह रही है, और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 (4) के अनुसार, यदि कोई पत्नी व्यभिचार में रह रही है, तो वह अपने पति से किसी भी तरह के भरण-पोषण की हकदार नहीं है।

छत्तीसगढ़ में एनएचएम हड़ताल और तेज, सरकारी कार्रवाई के बाद 14 हजार से अधिक कर्मियों ने दिया इस्तीफा

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ के एक पदाधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि छत्तीसगढ़ में एनएचएम के 14 हजार से अधिक संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ये कर्मचारी 18 अगस्त से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। पदाधिकारियों के मुताबिक संघ ने यह फैसला तब लिया है जब राज्य सरकार ने आंदोलन में सबसे आगे रहे एनएचएम के 25 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का फैसला किया। हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनकी लंबे समय से लंबित मांगें- जैसे सेवाओं के नियमितीकरण और काम करने की स्थिति में सुधार - को पूरा करने के बजाय सरकार ने दंडात्मक कदम उठाने का विकल्प चुना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) का उद्देश्य लोगों, विशेष रूप से ग्रामीण आबादी, गरीबों, महिलाओं और बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम के तहत चिकित्सकों और नर्सों सहित कई तरह के स्वास्थ्य कर्मचारी कार्यरत हैं।

राष्ट्र मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों के साथ है: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस वर्ष मानसून के दौरान हुई प्राकृतिक आपदाओं पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि राष्ट्र प्रभावित लोगों की पीड़ा को समझता है और संकट की इस घड़ी में उनके साथ है। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने और मैदानी इलाकों में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिससे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, असम और देश के कई अन्य हिस्सों में लोगों की मौत हुई और विनाश हुआ। राष्ट्रपति ने कहा, इस वर्ष मानसून के दौरान प्राकृतिक आपदाओं के बारे में जानकर मुझे बहुत दुख हुआ है। मुर्मू ने कहा कि राष्ट्र आपदाओं से प्रभावित लोगों के दुख को समझता है और संकट की इस घड़ी में उनके साथ है। उन्होंने बचाव एवं राहत कार्यों में शामिल लोगों के जज्बे की भी सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा, हम सब मिलकर इस चुनौती से पार पा लेंगे।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बागेश्वरधाम के महंत धीरेन्द्र शास्त्री से अपने आधिकारिक आवास पर मुलाकात की, जहां उन्होंने और उनके परिवार ने शास्त्री से आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,''बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी मुख्यमंत्री जनसेवा सदन पधारे। स्नेहिल भेंट के लिए आभार। मुख्यमंत्री के मुताबिक, उन्होंने और उनके परिवार ने शास्त्री से आशीर्वाद लिया और दिल्ली के विकास के लिए प्रार्थना की। गुप्ता ने कहा, मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में बागेश्वर धाम के पूजनीय आचार्य धीरेंद्र शास्त्री जी का पावन आगमन हुआ। उनकी ऊर्जा समाज को सेवा, श्रद्धा और सनातन संस्कारों से जोड़ती है। जनसेवा के इस महायज्ञ में उनकी सहभागिता जनभावनाओं को और भी सशक्त बनाती है तथा हमें निरंतर यह प्रेरणा देती है कि 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है'। मुख्यमंत्री के मुताबिक, आचार्य धीरेंद्र शास्त्री उनके अनुरोध पर मुख्यमंत्री आवास पर आए थे।

सेबी ने अपने नाम पर हो रहे फर्जीवाड़ा को लेकर निवेशकों को आगाह किया

नई दिल्ली/भाषा। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को निवेशकों को आगाह किया कि वे सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर उसके नाम से प्रसारित हो रहे धोखाधड़ी वाले संदेशों और सूचनाओं को लेकर सतर्कता बरतें। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों से कहा कि वे ऐसे संदेशों के आधार पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने या धनराशि देने से बचें। सेबी ने कहा कि उसके संज्ञान में कई ऐसे मामले आए हैं जिनमें धोखेबाजों ने सेबी अधिकारियों के रूप में खुद को पेश करने के साथ प्रतीक चिह्न (लोगो), लेटरहेड और मुहर का दुरुपयोग किया तथा फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर संदेश भेजे। कुछ मामलों में तो इन धोखेबाजों ने सेबी के नाम से फर्जी नोटिस जारी कर अनुपालन सेवाओं, दंड या जुर्माना भरने के नाम पर धन की भी मांग की। सेबी ने एक बयान में कहा, भोले-भाले निवेशक इन धोखेबाजों पर विश्वास कर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। उसने लोगों से अधिक सतर्क रहने का आह्वान किया।

1951 की रोल्स रॉयस को लेकर रिश्ते में आई खटास, न्यायालय ने दंपति की शादी को किया समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने एक-दूसरे से अलग रह रहे दंपति के विवाह को समाप्त कर दिया है। उनके रिश्ते में रोल्स रॉयस की 1951 मॉडल की एक कार को लेकर खटास आ गई थी, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बड़ौदा की तत्कालीन ''महारानी'' के लिए मंगवाया था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते को रिकॉर्ड में दर्ज किया, जिसके अनुसार महिला को पुरुष 2.25 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा। इसके बाद उनके बीच सभी दावों का निपटारा हो जाएगा।

पीठ ने 29 अगस्त को कहा, हम याचिकाकर्ता और प्रतिवादी

संख्या 1 (पति) के बीच विवाह को समाप्त करते हैं। अब उनके बीच कोई भी रिश्ता, चाहे वह वैवाहिक हो या अन्य, नहीं रहेगा। समझौते के अनुसार, व्यक्ति 31 अगस्त तक एक करोड़ रुपए का भुगतान करेगा और शेष 1.25 करोड़ रुपए 30 नवंबर तक अदा किए जाएंगे। इस व्यवस्था के तहत, महिला अपने पति द्वारा दिए गए उपहारों को अपने पास रखेगी तथा पति उसे और उसके परिवार को मिले सभी उपहार जैसे सगाई की अंगूठी और अन्य कीमती सामान लौटा देगा, जिसे वह एक करोड़ रुपए के डिमांड ड्राफ्ट के साथ सौंपेगा। उनके बीच के सभी मामलों को रद्द करते हुए, पीठ ने इसे ''पूर्ण और अंतिम'' समझौता माना। संबंध विच्छेद के बाद, शीर्ष अदालत ने पक्षों को आगाह किया कि वे सोशल मीडिया सहित किसी भी रूप में एक-दूसरे को बदनाम न करें। ग्वालियर में रहने वाली महिला ने दावा किया कि वह एक काफी प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखती है, जिसके पूर्वज छत्रपति शिवाजी महाराज की नौसेना में एडमिरल थे और उन्हें कोंकण क्षेत्र का शासक घोषित किया गया था।

स्थानीय निकाय चुनाव मतपत्रों से कराने का निर्णय अनुभव के आधार पर लिया गया : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने स्थानीय निकाय चुनाव मतपत्रों से कराये जाने के निर्णय का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह अनुभव के आधार पर लिया गया है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) से प्रदेश में भविष्य में होने वाले सभी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय मतपत्रों से कराने की सिफारिश करने का निर्णय लिया।

सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा, हमारा इरादा मतपत्र का उपयोग करने का है। अपने अनुभव के आधार पर, हमने निर्णय लिया है कि मतपत्रों से चुनाव होना चाहिए। ऐसे उदाहरण हैं जहां कई देशों ने ईवीएम के बजाय मतपत्रों के जरिये चुनाव कराया है। बृहस्पतिवार को मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए, कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने ईवीएम के प्रति लोगों के विश्वास और विश्वसनीयता में कमी को इस फैसले का कारण बताया था।

मंत्रिमंडल ने मतदाता सूचियों में विसंगतियों और वोट चोरी के आरोपों का हवाला देते हुए, राज्य निर्वाचन आयोग को स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने, पुनरीक्षण करने और जरूरत पड़ने पर दोबारा तैयार करने के लिए अधिकृत करने का भी फैसला किया है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए विपक्षी भाजपा ने शुक्रवार को दावा किया कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में ईवीएम के बजाय मतपत्रों का उपयोग करने का राज्य मंत्रिमंडल का फैसला इस बात का 'स्व-प्रमाणन है कि सत्तारूढ़ पार्टी वोट चोरी के माध्यम से सत्ता में आई है। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनावों में चुने गए 136 कांग्रेस विधायकों और राज्य के नौ कांग्रेस सांसदों से इस्तीफा देने का आग्रह करते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा, उन्हें मतपत्रों का उपयोग करके फिर से चुनाव जीतने दें, या स्वीकार करें कि वे वोट चोरी के माध्यम से सत्ता में आए हैं।

इस पर उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने पलटवार करते हुए सवाल किया कि भाजपा चिंतित या भयभीत क्यों है? उन्होंने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, यह कर्नाटक सरकार का फैसला है, भाजपा चिंतित क्यों है? (राज्य) सरकार स्थानीय निकाय चुनाव करा सकती है, उनके (भाजपा) कार्यकाल के दौरान बनाए गए कानून में प्रावधान है -- मतपत्र या ईवीएम (का उपयोग किया जा सकता है)। हमारी सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान मतपत्रों का उपयोग करने का फैसला किया है, आप (भाजपा) भयभीत क्यों हैं?

भाजपा के विरोध की तुलना चोर की दाढ़ी में तिनका मुहावरे से करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, हमने संसदीय चुनाव के दौरान जो कुछ हुआ, उसकी जांच की है, मैं अभी इस पर चर्चा नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि मत्रपत्रों के जरिये चुनाव कराने संबंधी राज्य सरकार का यह निर्णय स्थानीय निकाय चुनावों के लिए है तथा विधानसभा और संसदीय चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) निर्णय लेगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या बेंगलूरु में आगामी पांच स्थानीय निकायों के चुनाव मतपत्रों से होंगे। बेंगलूरु के प्रभारी मंत्री शिवकुमार ने कहा, सरकार का फैसला स्थानीय निकाय चुनावों के संबंध में है।

हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार के बाद, कांग्रेस ने ईवीएम की विश्वसनीयता और चुनाव परिणामों पर संदेह व्यक्त किया है। पार्टी ने मतपत्रों के जरिये चुनाव कराये जाने की मांग की है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल में दावा किया था कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक के एक लोकसभा क्षेत्र का अध्ययन करके वोट चोरी के तरीके का पता लगाया है, जिसके परिणामस्वरूप एक बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा हो गया।

कर्नाटक ने मतपत्र से चुनाव का फैसला कर वोट चोरी से सत्ता में आने को स्वयं प्रमाणित किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को दावा किया कि अगले स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय मतपत्रों से कराने का राज्य मंत्रिमंडल का फैसला इस बात का 'स्व-प्रमाणन' है कि सत्तारूढ़ पार्टी वोट चोरी के जरिये सत्ता पर काबिज हुई है। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने मांग की कि सबसे पहले कांग्रेस के 2023 के विधानसभा चुनाव में जीतने वाले 136 विधायक और 2024 के चुनाव में राज्य से जीते नौ सांसद अपने-अपने पदों से इस्तीफा द।

विजयेंद्र ने चुनौती देते हुए कहा, उन्हें मतपत्रों के माध्यम से पुन: चुनाव जीतने दें, या फिर यह स्वीकार कर लें कि वे वोट चोरी के जरिये सत्ता में आये हैं। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को राज्य निर्वाचन आयोग से राज्य में आगामी सभी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय मतपत्रों से कराने की सिफारिश करने का फैसला किया था। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने मंत्रिमंडल के इस फैसले की वजह ईवीएम के प्रति जनता के विश्वास और विश्वसनीयता में कमीको बताया था।

विजयेंद्र ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया, देश में सबसे अधिक अवैध मतदान, वोट चोरी की शिकायतें, चुनावी हिंसा की घटनाएं और अनियमितताओं की शिकायतें मतपत्रों के जरिये हुए चुनावों के दौरान अदालतों में दर्ज की गई हैं और वह भी कांग्रेसियों के खिलाफ।

उन्होंने आरोप लगाया, देश की जनता यह नहीं भूली है कि इंदिरा गांधी ने वोट चोरी और चुनावी कदाचार को लेकर अदालत द्वारा दिये गए फैसले के कारण आपातकाल लगाया था। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मतपत्रों का उपयोग करके वोट चोरी और चुनावी कदाचार में विशेषज्ञ है और लगातार चुनावी हार के कारण हताश है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वोट चोरी के नाम पर बचकाना विवाद पैदा कर रहे हैं और आधारहीन, अपरिपक्व और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा, इसके समर्थन में, राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने मतपत्रों के माध्यम से चुनाव कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने दावा किया, पूरा देश और दुनिया प्रौद्योगिकी के आधार पर तेजी से आगे बढ़ रही है जबकि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार प्रौद्योगिकी का अपमान कर रही है।

विजयेंद्र के मुताबिक राहुल गांधी नीत कांग्रेस मतपत्र आधारित चुनावों का समर्थन केवल इसलिए करती है क्योंकि मतपत्रों के माध्यम से चुनावी अनियमितताएं, हिंसा और धोखाधड़ीपूर्ण मतदान बिना किसी हिचकिचाहट के किया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार इसे लागू करने के लिए पहला कदम उठाने जा रही है।

सरकार ने प्रदर्शनों के दौरान पथराव के लिए दर्ज मामलों समेत 60 मामले वापस लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 2019 में चित्तपुर में पथराव की एक घटना में कथित तौर पर शामिल लोगों और ईडी द्वारा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की उसी साल गिरफ्तारी के बाद पथराव के लिए उनके समर्थकों के खिलाफ दर्ज मामले सहित 60 मामलों को वापस लेने का फैसला लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल ने बताया कि मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज 60 मामलों को वापस लेने का फैसला किया है, जो किसानों, छात्रों और कन्नड़ कार्यकर्ताओं सहित अन्य से जुड़े हैं। बहरहाल, मंत्री ने मामलों की विस्तृत जानकारी नहीं दी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट ने जिन मामलों को वापस लेने का फैसला किया है, उनमें 2019 चित्तपुर पथराव मामला और डी के शिवकुमार के कथित समर्थकों के खिलाफ दर्ज मामले शामिल हैं, जो 2019 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी गिरफ्तारी के बाद कनकपुरा में बसों और सरकारी कार्यालयों पर कथित रूप से पथराव करने के लिए दर्ज किए गए थे। शिवकुमार उस समय विधायक थे। चित्तपुर की घटना कथित तौर पर तब हुई जब पुलिस ने हिंदू कार्यकर्ताओं से मिली सूचना के आधार पर गाड़ियों में ले जाए जा रहे मवेशी जब्त किए थे।

सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार के भाई और बेंगलूरु ग्रामीण के पूर्व सांसद डी के सुरेश के समर्थकों के खिलाफ मामले भी वापस ले लिए गए हैं। जिन मामलों को वापस लिया गया है, उनमें विभिन्न समूहों और व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज मामले शामिल हैं। इनमें किसान समर्थक, दलित समर्थक, कन्नड़ समर्थक संगठन, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और विभिन्न स्थानों पर गणपति की शोभायात्रा से संबंधित झड़पों में दर्ज मामले शामिल हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक मामले में पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक, अभियोजन एवं सरकारी वाद निदेशक और विधि विभाग की अलग-अलग राय ली गई। इसके बाद ऐसे मामलों पर विचार करने के लिए सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडल की उप-समिति के समक्ष मामले रखे गए। मंत्रिमंडल की उप-समिति द्वारा उपयुक्त समझे जाने वाले मामलों को मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाता है। सूत्रों के अनुसार, गृह विभाग, डीजीपी और आईजीपी, अभियोजन एवं सरकारी वाद निदेशक और विधि विभाग ने इन सभी मामलों को वापस न लेने की सलाह दी थी।

लैंगिक अल्पसंख्यकों, पूर्व देवदासियों का राज्यव्यापी सर्वेक्षण कराएगी कर्नाटक सरकार

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने पहली बार लैंगिक अल्पसंख्यकों के एक राज्यव्यापी आधारभूत सर्वेक्षण और 15 जिलों में पूर्व देवदासियों का पुन:सर्वेक्षण करने की घोषणा की है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह सर्वेक्षण उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में सटीक जानकारी एकत्रित करने और सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पुनर्वास प्रदान करने के लिए किया जाएगा।

ये 15 जिले हैं बेलगावी, विजयपुरा, बागलकोट, रायचूर, कोप्पल, धारवाड़, हावेरी, गदग, कलबुर्गी, यादगीर, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, शिव्वमोग्गा, बेल्लारी और विजयनगर। सर्वेक्षण के संबंध में बृहस्पतिवर को जारी की गई एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह सर्वेक्षण कर्नाटक राज्य महिला विकास निगम 15 सितंबर से करेगा। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के लिए प्रारंभिक कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सरकार ने दो ऐप विकसित किए हैं और साथ ही एक हेल्पलाइन भी शुरू की है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण राज्य के सभी तालुका सरकारी अस्पतालों और जिला सरकारी अस्पतालों में किया जाएगा, जबकि पूर्व देवदासियों का पुन:सर्वेक्षण 15 जिलों के तहसील बाल विकास परियोजना अधिकारियों के कार्यालयों में किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने अपने समर्थकों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अपने समर्थकों के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा कई आपराधिक मामलों को वापस लेने के फैसले का बचाव किया है। वर्ष 2019 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शिवकुमार की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों के खिलाफ पथराव का मामला दर्ज किया गया था। शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अलावा विभिन्न संगठनों के सदस्यों से जुड़े मामले वापस लिए हैं।

कर्नाटक के मंत्रिमंडल ने राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज 60 मामलों को वापस लेने के प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। वापस लिए गए मामलों में चित्तपुर में 2019 में हुई पथराव की घटना और शिवकुमार के कथित समर्थकों के खिलाफ मामले शामिल हैं। यह मामले ईडी द्वारा शिवकुमार की गिरफ्तारी के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े हैं।

शिवकुमार ने सवाल किया, कई मामले वापस लिए गए हैं, हमने भाजपा के लोगों, कांग्रेस के लोगों के खिलाफ मामले वापस लिए हैं। जब मुझे ईडी ने गिरफ्तार किया तो भाजपा ने जानबूझकर हमारे कार्यकर्ताओं के खिलाफ कुछ मामले दर्ज किए। इससे पहले कोविड-19 महामारी के दौरान तत्कालीन भाजपा सरकार ने मेरे और मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या तथा हमारे कई नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए थे। क्या हमें चुपचाप बैठना चाहिए?

उपमुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों, भाषा और न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ दर्ज कई मामले वापस ले लिए गए हैं। उन्होंने कहा, यह अकेला मामला नहीं है, हमारी सरकार ने सैकड़ों मुकदमे वापस लिए हैं। सभी दलों के लोगों के खिलाफ मुकदमे वापस लिए गए हैं। हमने भाजपा के अनुरोध पर भी मामले वापस ले लिए हैं, यहां तक कि रायता संघ (किसान संगठन या निकाय) और कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी मामले वापस लिए हैं।

'धर्मस्थल' मामले की जांच एसआईटी कर रही : सिद्दरामय्या

एनआईए जांच की मांग को नहीं दी तवज्जो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 'धर्मस्थल' में कई हत्याओं, बलात्कार और शवों को दफनाने के आरोपों की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की मांग को तवज्जो नहीं देते हुए शुक्रवार को कहा कि मामले की जांच राज्य पुलिस पहले से ही एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के जरिये कर रही है। मुख्यमंत्री, हिंदू और जैन संतों द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर मामले की एनआईए जांच कराने की मांग के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे।

सिद्दरामय्या ने कहा, हमने एसआईटी गठित की है, वे पुलिस हैं। एनआईए में कौन है? वे भी पुलिस हैं। राज्य में विपक्षी भाजपा और जद(एस) ने भी मामले से निपटने के तरीके को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए एनआईए जांच की मांग की है। उन्होंने धर्मस्थल और स्थानीय हिंदू मंदिर को बदनाम करने वाले अभियान के पीछे साजिश होने का आरोप लगाया।

विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब एक शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसने पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में कई शवों को दफनाया है, जिनमें यौन उत्पीड़न की गईं महिलाएं भी शामिल हैं और इसके पीछे स्थानीय मंदिर के प्रशासकों की भूमिका होने की ओर इशारा किया गया।

शिकायतकर्ता की बाद में पहचान सी एन चिन्नैया के रूप में हुई और उसे झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने नेत्रवती नदी के किनारे वन क्षेत्रों में शिकायतकर्ता द्वारा चिह्नित कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और खुदाई की, जहां दो स्थानों पर मानव कंकाल के अवशेष बरामद किये गए।

धर्मस्थल मामला : पुलिस ने यूट्यूबर के घर की तलाशी ली

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले की बेलथांगडी पुलिस ने बृहस्पतिवार को यूट्यूबर समीर एम.डी के बेंगलूरु स्थित घर की तलाशी ली, जिसके खिलाफ धर्मस्थल थाने में एक मामला दर्ज है। यह कार्रवाई बेलथांगडी अदालत द्वारा तीन सितंबर को जारी तलाशी वारंट के तहत की गई। समीर फिलहाल जमानत पर हैं। सर्कल निरीक्षक नागेश कादरी फॉरेंसिक विज्ञान विशेषज्ञों के साथ बन्नेरघट्टा के हुल्लाहल्ली स्थित समीर के किराए के घर पर पहुंचे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि समीर को तलाशी के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया था। एक कंप्यूटर और वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए इस्तेमाल किए गए एक मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। कन्नड़ यूट्यूब चैनल 'धूता' संचालित करने वाले समीर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर वीडियो बनाते हैं और अक्सर स्थानीय नेताओं व संस्थाओं की आलोचना करते हैं।

कर्नाटक कैबिनेट ने सिद्दरामय्या व उनके परिवार को क्लीन चिट देने वाली देसाई आयोग की रिपोर्ट स्वीकार की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने न्यायमूर्ति पी.एन देसाई आयोग की रिपोर्ट को बृहस्पतिवार को स्वीकार कर लिया, जिसमें मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा भूखंड के आवंटन में कथित अनियमितताओं के मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनके परिवार को क्लीन चिट दी गई है। कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले आयोग ने 31 जुलाई को अपनी रिपोर्ट मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को सौंपी थी। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा, हमने (सरकार ने) न्यायमूर्ति पी.एन. देसाई की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया था, जिसने दो खंडों में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार के खिलाफ लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। इसमें विभिन्न आधारों पर कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है। हमने (मंत्रिमंडल ने) रिपोर्ट और उसकी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है।

कैबिनेट के फैसलों के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी गई है। इससे पहले लोकायुक्त पुलिस ने भी सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी पार्वती और दो अन्य आरोपियों को इस मामले में क्लीन चिट दे दी थी।

इस बीच, न्यायमूर्ति एच.एन नागमोहन दास आयोग की एक रिपोर्ट को भी मंत्रिमंडल के समक्ष रखा गया। इस आयोग ने 2019-20 से 2022-23 के बीच बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) द्वारा किए गए कार्यों में कथित विसंगतियों की जांच की थी।

उस समय भाजपा सत्ता में थी। पाटिल ने बताया कि मंत्रिमंडल ने किसानों, छात्रों और कन्नड़ कार्यकर्ताओं आदि से जुड़े 60 पुलिस मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। मंत्री ने मामलों पर आगे कोई ब्यौरा साझा नहीं किया।

मंत्रिमंडल ने बेंगलुरु मेट्रो रेल परियोजना के तीसरे चरण के दो कॉरिडोर के साथ 37.121 किलोमीटर लंबे रोड के निर्माण को भी मंजूरी दे दी। कैबिनेट ने कोप्पल, बादामी में पार्टी कार्यालय के निर्माण के लिए कांग्रेस भवन ट्रस्ट को भूमि पट्टे पर देने को भी मंजूरी दे दी। साथ ही कर्नाटक प्रबंधन नियम, ई-साक्ष्य 2025 को अधिसूचित करने को भी मंजूरी दी गई।

स्टालिन ने ओणम की शुभकामनाएं दीं

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को राज्य में फसल कटाई का उत्सव ओणम मना रहे लोगों को शुभकामनाएं दीं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा, ''फसल कटाई के उत्सव को खुशी और एकजुटता के साथ मनाने वाले मलयाली भाइयों एवं बहनों को ओणम की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार फूलों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पारंपरिक सद्या के माध्यम से समानता और एकता को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि मलयाली लोगों ने उत्सवों के माध्यम से राजा महाबली को सम्मानित करने की परंपरा को बरकरार रखा है।

स्टालिन ने कहा, ''ओणम यह बताता है कि किसी राष्ट्र की समृद्धि तभी सार्थक होती है जब उसे सभी के बीच समान रूप से साझा किया जाए।'' तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी और अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम प्रमुख टीटीवी दिनाकरन ने भी ओणम की शुभकामनाएं दीं।

रक्षा प्रौद्योगिकी शो संस्करण-3.0 का हुआ उद्घाटन

चेन्नई। इजराइल और रूसी राजनयिकों के साथ तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को चेन्नई ट्रेड सेंटर में रक्षा एवं प्रौद्योगिकी शो संस्करण 3.0 का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह बरार, पीवीएसएम एवीएसएम (सेवानिवृत्त) थे, जिनके साथ मंच पर वायुसेना, नौसेना और सेना के वरिष्ठ अधिकारी - एयर कमोडोर प्रदीप शर्मा, वीएसएम (आईएएफ), कमांडर सुधीर मेनन (आईएन) और कर्नल अनुराग माथुर (आईए-एडीबी) भी उपस्थित थे। रिबन काटने की रस्म के साथ दर्शकों के लिए खोला गया, जिसके बाद उद्घाटन सत्र हुआ। इसका समापन आज होगा।

स्वतंत्र फाउंडेशन के अध्यक्ष एस. रामसुब्रमण्यन ने उपस्थित लोगों और राजनयिक बिरादरी के विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। दक्षिण भारत के लिए रूसी संघ के महावाणिज्यदूत वेलेरी खोदाझाएव और इयाल बेन-ओज, रक्षा सहयोग और एचएलएस (एसआईबीएटी) के प्रभारी इजरायली दूतावास के उप रक्षा अताशे और मुख्य प्रायोजक, जीनव्स के टी. वंचिनाथन, देवाशीष पॉलिमर्स के आदित्य मोदी और एमआरएफ के संदीप अब्राहम उपस्थित थे।

अपने उद्घाटन भाषण में, लेफ्टिनेंट जनरल बरार ने इस आयोजन को तीसरी बार आयोजित करने के लिए स्वतंत्र फाउंडेशन के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

पेरियार का तार्किक प्रकाश अब दुनिया को रोशन कर रहा है : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि समाज सुधारक पेरियार (ई वी रामासामी) का तार्किक प्रकाश अब दुनिया को रोशन कर रहा है और एक सदी पहले उनके द्वारा शुरू किए गए आत्म-सम्मान आंदोलन ने स्वतंत्रता को नए सिरे से परिभाषित किया, जिससे बेडियां टूटीं और गौरव बढ़ा। राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए ब्रिटेन की अपनी यात्रा के दौरान चार सितंबर को आत्म-सम्मान आंदोलन की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के सेंट एंटनी कॉलेज में प्रसिद्ध समाज सुधारक के एक चित्र का अनावरण करते हुए स्टालिन ने पेरियार की प्रगतिशील विरासत पर प्रकाश डाला।

यह चित्र भारतीय कला निर्देशक, चित्रकार और प्रोडक्शन डिजाइनर थोट्टा थरानी ने बनाया है। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय पर आंदोलन के वैश्विक प्रभाव के बारे में बताया और तर्कवाद, लैंगिक समानता व जाति-विरोधी सुधारों के लिए पेरियार की वकालत की सराहना की। उन्होंने इस कार्यक्रम में कहा, 'ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पेरियार के चित्र का अनावरण करना मेरे लिए जीवन का बड़ा सम्मान है - यह ज्ञान, मानवाधिकार और सम्मान का पर्याय है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: SG-SWR-PROJ-UBL-EI KGW PKL दिनांक: 02.09.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण-पश्चिम रेलवे:	रु. 29,37,00,306.82

हुबली विभाग: एसएसई/सिग्नल/होसपेटे विभाग के तहत करिगनूरु और पापिनायकनहल्ली स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम व्यवस्था के साथ साथ सिग्नलिंग सिस्टम का आधुनीकरण।
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 30.09.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर परियोजना/हुबली
PUB/433/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एवं छात्रों के उत्कृष्टतम भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षकों के कल्याण, सम्मान और छात्रों के उत्कृष्ट भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए कहा है कि उसने शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। शर्मा शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि उन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता का दिन है जो समाज का भविष्य गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक जीवन के शिल्पकार तथा राष्ट्र निर्माता हैं। राज्य सरकार शिक्षकों के साथ है, इसलिए शिक्षा क्षेत्र में अनेक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षकों के कल्याण, सम्मान, बेहतर कार्यदशाओं एवं विद्यार्थियों के उत्कृष्ट भविष्य निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है यह हमारी नीति है। महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ जीवन को समझना और उसमें मूल्यों का समावेश करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य और समाज का निर्माण करने वाली शक्ति है तथा इसका उद्देश्य व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महान वैज्ञानिक डा एपीजे अब्दुल कलाम का मानना था कि एक अच्छी पुस्तक हजार दोस्तों के बराबर होती है लेकिन एक अच्छा दोस्त एक लाइब्रेरी के बराबर होता है।

उन्होंने कहा मेरा मानना है एक अच्छा शिक्षक हजार लाइब्रेरी के बराबर है। शिक्षक केवल ज्ञान के भंडार नहीं हैं बल्कि स्वप्न जगाने वाले हैं। शिक्षकों के प्रेरणादायक शब्दों से निराश विद्यार्थी में आशा की किरण से विश्वास जगता है। शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी अपने गुरु को देखकर जीवन मूल्यों को आत्मसात करता है। शिक्षक ज्ञान के साथ ही समाज के लिए उपयुक्त संस्कार और मूल्य भी प्रदान करते हैं। वह बच्चों में सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा भावना और राष्ट्रप्रेम के बीज बोते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक हमें विनम्रता, ईमानदारी, दूसरों की सेवा ही सच्ची पूजा जैसे जीवन के महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। शिक्षा विभाग में 20 हजार से अधिक नियुक्तियां दी हैं और 18 हजार से अधिक शिक्षकों के पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया है।

साथ ही, 33 हजार 217 कार्मिकों को पदोन्नत भी किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने राज्य के चार हजार से अधिक विद्यालयों में आठ हजार से अधिक स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए हैं। 88 हजार 800 मेधावी विद्यार्थियों को इंटरनेट कनेक्शन सहित निःशुल्क टैबलेट वितरित किए गए हैं। ई-पाठशाला व्हाटसऐप चैनल के माध्यम से विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की ऑनलाइन लाइव क्लास भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अजमेर में 'हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार' पुस्तक हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं की अमूल्य धरोहर को जीवित रखने के पावन प्रयास में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर आरके शर्मा की धर्मपत्नी रमा शर्मा द्वारा रचित पुस्तक 'हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार' का विमोचन प्रेम प्रकाश आश्रम वैशाली नगर में सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर आचार्य महामंडलेश्वर ने विधिवत पुस्तक का विमोचन किया और इसकी सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आध्यात्मिक महत्ता पर प्रकाश डाला। रमा शर्मा ने बताया कि पुस्तक दो भागों में प्रकाशित की गई है। पहले भाग में भारतीय व्रत, त्योहार, लोक कथाएँ और मंगल गीतों का समग्र चित्र प्रस्तुत किया गया है, जबकि दूसरे भाग में सनातन धर्म के शोडश संस्कार- जन्म, उपनयन, यज्ञोपवीत, विवाह और अंत्येष्टि-का विस्तृत, सुस्पष्ट और भावपूर्ण वर्णन किया गया है। उनका कहना था कि यह प्रयास हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का साधन है।

इस अवसर पर सनातन धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष व पूर्व न्यायाधीश अजय शर्मा, संपादक विजय कुमार शर्मा आदि उपस्थित थे।

आचार्य महामंडलेश्वर ने कहा, यह पुस्तक केवल ज्ञान का संकलन नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर से अवगत कराएगी। यह सनातन संस्कृति के संरक्षण और प्रचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। पुस्तक का विमोचन उन सभी पाठकों, शोधकर्ताओं और संस्कारप्रिय व्यक्तियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को समझने, अपनाने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए उत्सुक हैं।

शिक्षक विद्यार्थी को संस्कारित कर उत्कृष्टम करने के लिए करता है प्रेरित : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा है कि शिक्षक वह है जो विद्यार्थी का जीवन गढ़े, उसे संस्कारित करे और जीवन में उत्कृष्ट करने के लिए सदा प्रेरित करे। बागड़े शुक्रवार को मालवीय मिशन संस्था द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने आदर्श शिक्षक और देश के पूर्व राष्ट्रपति डा सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए उनकी उदात्त शिक्षा दृष्टि को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

उन्होंने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि यह राष्ट्र विकास से जुड़ी है। शिक्षक, विद्यार्थी और समाज के हितों के आलोक में इसे तैयार किया गया है। उन्होंने पंडित मदन मोहन मालवीय के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि सनातन संस्कृति और शिक्षा के लिए उन्होंने अपना जीवन होम कर दिया था। उन्होंने कहा कि मालवीय जी ने हिंदी का प्रसार किया, राष्ट्रवादी विचारों को आगे बढ़ाया और काशी हिंदू विश्वविद्यालय जैसा विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय स्थापित किया। राज्यपाल ने इस दौरान गीता प्रतियोगिता के विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। उन्होंने कहा भगवतगीता जीवन को बेहतर ढंग से जीने का विरल ज्ञान है। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस का अर्थ है, शिक्षा से जुड़ी हमारी संस्कृति का सम्मान। यह दिवस हमें शिक्षकों के बताए आदर्श पथ पर चलते हुए भविष्य की उज्ज्वल राहों के संवाहक बनने के लिए प्रेरित करता है।

बोराज तालाब का पानी कॉलानियों में घुसा, लोगों ने प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अजमेर में बोराज तालाब का किनारा (पाल) टूटने से बृहस्पतिवार रात कई कॉलोनियों में जलभराव हो गया और सैकड़ों घर जलमग्न हो गए। इससे भारी नुकसान हुआ और लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। अधिकारियों के अनुसार कई दिन की भारी बारिश से पानी की लगातार आवक के चलते अजमेर शहर के बाहरी इलाके में स्थित बोराज तालाब का मिट्टी का पाल बृहस्पतिवार देर रात टूट गया। इससे निकला पानी तेजी से स्वास्तिक नगर, भारत नगर, रावत नगर, ज्योति नगर, एसएस कॉलोनी और फॉय सागर रोड के कुछ हिस्सों सहित निचले इलाकों में भर गया। इससे आम घरों के साथ सड़कों व दूसरे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा।

तालाब का पानी तेजी से रिहायशी कॉलोनियों में घुस गया। डर के मारे निवासियों को आधी रात को अपने परिवारों के साथ छतों पर भागना पड़ा। सूचना मिलने पर नागरिक सुरक्षा, राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), नगर निगम की टीमें और जिला प्रशासन मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घरों में फंसे परिवारों को ट्रैक्टर ट्रालियों से निकाला गया।

कमर से छाती तक गहरे पानी से निकाले जाने के बाद कई महिलाएं और बच्चे रोते हुए देखे गए। अनेक घरों से फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान बाहर बह गए। कुछ इलाकों में चार से पांच फुट तक पानी भर गया। घरों के बाहर खड़ी कारों सहित कई वाहन बह गए या क्षतिग्रस्त हो गए। कई घरों की इमारतों को नुकसान पहुंचा है। तालाब के पास के इलाकों में दीवारें ढह गईं और कमरों में गाद भर गई। कुछ घरों में नींव के नीचे की जमीन में कटाव से इमारत असुरक्षित हो गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, कम से कम 100 घरों को आंशिक या गंभीर नुकसान हुआ है।

इलाकों से पानी निकालने के लिए 'मड पंप' लगाए गए थे। अधिकारियों ने कहा कि समय पर निकासी प्रयासों के कारण किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। जिला कलेक्टर लोक बंधु ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया और कहा कि कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि तालाब के तटबंध के आसपास कटाव पहले ही देखा गया था और खतरे को देखते हुए प्रशासन ने स्वास्तिक नगर में लगभग 80 घरों को दिन में ही खाली करा लिया था।

प्रभावित परिवारों के लिए बोराज के स्थानीय सरकारी स्कूल में अस्थायी आश्रय की व्यवस्था की गई। वहीं नुकसान से प्रभावित लोगों ने शुक्रवार को वरुण सागर रोड पर विरोध प्रदर्शन किया और यातायात अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की। महिला प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और तालाब के रखरखाव में लापरवाही का आरोप लगाया। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) गजेंद्र सिंह और उप खंड अधिकारी (एसडीएम) गरिमा नरूला धरना स्थल पर पहुंचे और निवासियों को आश्वासन दिया कि प्रशासन ने नुकसान का आकलन करने के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण शुरू कर दिया है। अधिकारियों के आश्वासन और एसडीएम नरूला द्वारा प्रभावित घरों का दौरा करने के बाद प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। जिला कलेक्टर लोक बंधु ने कहा कि सर्वेक्षण पूरा होने के बाद सरकारी मानदंडों के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा, टीमों का गठन कर दिया गया है और आकलन का काम चल रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राजस्थान की नीलम यादव को किया राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य सम्मान समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने देशभर से चयनित 45 उत्कृष्ट शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया।

समारोह में राजस्थान के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय टपूकड़ा, अलवर की प्रिंसिपल श्रीमती नीलम यादव को भी राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर दिए जाने वाले इन पुरस्कारों का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को उनकी पहचान और सम्मान दिलाने के साथ-साथ अन्य शिक्षकों को प्रेरित करने का भी होता है ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ विद्यार्थियों के समग्र विकास में शिक्षक और अधिक योगदान देने की प्रेरणा ले सकें। पुरस्कार प्राप्तकर्ता शिक्षकों को सम्मान स्वरूप 50 हजार नगद, एक पदक और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

राजस्थान की श्रीमती नीलम यादव को मिला यह पुरस्कार उनके द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्यों का सम्मान है। श्रीमती नीलम के प्रयासों से विद्यालय शिक्षा में नामांकन वृद्धि, सह-शैक्षणिक गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियां, विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम में महत्वपूर्ण सुधार, भामाशाहों और सी एस आर के सहयोग से डिजिटल लैब, आधुनिक तकनीकी की सहयोग से स्कूल लैब के आधुनिकरण और स्मार्ट क्लासों के आयोजन से बच्चों के शैक्षणिक विकास को गति देने जैसे महत्वपूर्ण सुधार हुए। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद श्रीमती नीलम यादव ने बताया कि यह सम्मान उन सभी शिक्षकों का सम्मान है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के अंतर्गत विशेष रेलगाड़ी रामेश्वरम के लिए रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। श्रद्धा और उत्साह से परिपूर्ण माहौल में शुक्रवार को जोधपुर से वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना 2025 के अंतर्गत विशेष वातानुकूलित रेलगाड़ी को देवस्थान एवं पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह विशेष रेलगाड़ी पाली और जवाई बांध होते हुए रामेश्वरम व मदुरई पहुंचेगी, जहां वरिष्ठ नागरिक पावन देवस्थलों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। यात्रा में जोधपुर से 300 से अधिक वरिष्ठ नागरिक सम्मिलित हुए, जबकि पाली से 200 और जवाई बांध से 126 श्रद्धालु इस आध्यात्मिक सफर से जुड़े।

इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि वृद्धावस्था में देवदर्शन का अवसर मिलना किसी जीवन सौभाग्य से कम नहीं है। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री जी को 'श्रवण पुत्र' की उपमा देते हुए कहा कि वे बुजुर्गों की सेवा और सम्मान की भावना के साथ वातानुकूलित ट्रेन द्वारा सुरक्षित व सुविधाजनक यात्रा का विशेष प्रबंध करवा रहे हैं।

यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालुओं में उल्लास और भक्ति का विशेष भाव देखने को मिला। भावविभोर होकर वे रामेश्वरम दर्शन के लिए रवाना हुए और मुख्यमंत्री जी सहित राज्य सरकार का हृदय से धन्यवाद किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, नेता प्रतिपक्ष लक्ष्मीनारायण सोलंकी सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

ज्ञान और संस्कार का संबल बनते शिक्षक : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि शिक्षक केवल ज्ञान के वाहक नहीं होते बल्कि वे नैतिकता, विवेक और संवेदनशीलता के मार्गदर्शक भी हैं।

देवनानी ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी शिक्षाएं पीढ़ियों को प्रभावित करती हैं और उनके व्यक्तित्व से निकलने वाली रोशनी दूर-दूर तक फैलती है। उन्होंने कहा कि आज की तेज़ रफ्तार तकनीकी दुनिया में शिक्षक ही वह संतुलन हैं जो ज्ञान और संस्कार की नदियों को सूखने नहीं देते।

भारतीय संस्कृति गो संस्कृति है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भारतीय संस्कृति गो संस्कृति है। संस्कृति में गो शब्द लग जाता है तो इसका अर्थ है-श्रद्धा के साथ अर्थव्यवस्था का जुड़ना। ऐसी अर्थव्यवस्था से ही सतत और संतुलित विकास होता है। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गाय को केन्द्र में रखकर उसके उत्पादों से जन-जन को जोड़े जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गो धन संरक्षण के लिए गौशालाओं की स्थापना संग नंदी शालाएं भी स्थापित की जाए।

राज्यपाल शुक्रवार को विद्याधर नगर में देवरहा बाबा गो सेवा परिवार द्वारा वैश्विक संगोष्ठी, प्रदर्शनी के आलोक में आयोजित गो-महाकुम्भ 2025 में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा में गाय की महता से जुड़े संदर्भ देते हुए कहा कि गो-सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। हमारे वैदिक ग्रंथ, शास्त्र सभी गो को पूज्य कहते हैं। परन्तु जिसे पूजा जाता है वह हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार है। यह गाय ही है जो हमें दूध के रूप में पोषण देती है। गाय का घी, पनीर, मावा आदि बहुत से उत्पादों से ही भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ है।

राज्यपाल ने देवरहा बाबा की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि वह महान योगी, सिद्ध तो थे ही, गोसेवा को सर्वोपरि-धर्म मानते थे। वह कहते थे, 'जीवन को पवित्र बनाए बिना, ईमानदारी, सात्विकता-सरसता के बिना भगवान की कृपा प्राप्त नहीं होती। गो सेवा इसका सबसे बड़ा माध्यम है।'

राज्यपाल ने कहा कि महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म कहते हैं कि गाय हमारी माता है और बैल हमारे पिता हैं। वेदों में सूर्य की एक किरण का नाम कपिला है। उन्होंने गोपाष्टमी पर्व मनाने, कृष्ण का धेनु से नाता बताते हुए कहा कि गो ने भगवान का अभिषेक किया, उसी दिन से भगवान का एक नाम 'गोविंद' पड़ा। गाय विश्वरूपा है।

आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय बैठक जोधपुर में शुरू

जोधपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उसके संबद्ध संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक शुक्रवार को यहां शुरू हुई। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले इस बैठक में भाग ले रहे हैं जिसमें राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और सामाजिक परिप्रेक्ष्य से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंथन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी बैठक में भाग लेने के लिए बृहस्पतिवार शाम जोधपुर पहुंचे। एक बयान के अनुसार बैठक में देश के विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर पंजाब, बंगाल, असम और पूर्वोत्तर के जनजातीय क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल जीवन, स्व आधारित रचना और नागरिक कर्तव्य पालन जैसे विषयों पर भी विमर्श किया जाएगा।

संघ के 32 आनुषंगिक संगठनों के करीब 320 प्रतिनिधि बैठक में भाग लेने के लिए जोधपुर पहुंचे हैं। ये संगठन बैठक में अपने कामकाज का वार्षिक लेखाजोखा प्रस्तुत करेंगे और अपने कार्यों, अनुभवों तथा उपलब्धियों को रेखांकित करेंगे। बयान के अनुसार, यह समन्वय बैठक किसी निर्णय के लिए नहीं होती बल्कि संगठनों के बीच चर्चा, अनुभवों के आदान-प्रदान और बेहतर समन्वय का माध्यम होती है।

जीएसटी कटौती का स्वागत लेकिन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर पड़ सकता है असर : अमित मित्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार अमित मित्रा ने शुक्रवार को माल एवं सेवाकर (जीएसटी)की दरों में कटौती का स्वागत करते हुए इसे सैद्धांतिक रूप से एक ''बहुत अच्छा कदम'' बताया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि इससे राज्यों की वित्तीय स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला कल्याण के लिए वित्तपोषण में मुश्किल आ सकती है।

मित्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में एक समाचार चैनल को दिए गए साक्षात्कार को साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि जब तक राज्यों के राजस्व घाटे की भरपायी नहीं की जाती तब तक, यह संघवाद का उल्लंघन है,'' और चेतावनी दी कि वास्तविक प्रभाव ''आधिकारिक तौर पर स्वीकार किए जाने से कहीं अधिक बड़ा होगा।

उन्होंने मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त की - जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर कटौती उपभोक्ताओं तक पहुंचे। मित्रा ने कहा कि इससे संदेह पैदा होता है कि क्या ''आम लोगों को इस कटौती का लाभ मिलेगा।

त्रिपुरा में पिछले सात वर्षों में 5,000 से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की गई : मुख्यमंत्री साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने पिछले सात वर्षों में 5,000 से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की है।

शिक्षा विभाग का भी प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय शिक्षक दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने पिछले सात वर्षों के दौरान विभिन्न श्रेणियों में 19,800 कर्मचारियों की भर्ती की है, जिनमें से 5,215 शिक्षक हैं।

साहा ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच महंगाई भत्ते के अंतर को कम करने के लिए कदम उठाए गए हैं। त्रिपुरा सरकार के कर्मचारियों को 33 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) मिलता है, जबकि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को 55 प्रतिशत डीए मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने 29 महीने के कार्यकाल के दौरान सरकारी कर्मचारियों को 29 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी किया है। हम राज्य सरकार के कर्मचारियों और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच डीए में अंतर को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। लंबित महंगाई भत्ता पाने के लिए प्रदर्शन करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार पूर्वोत्तर राज्य को शिक्षा का केंद्र बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला महाविद्यालय को छात्राओं के लिए पूर्ण राज्य विश्वविद्यालय बनाने के लिए पहल की गई है।

साहा ने कहा कि राज्य में एमबीबीएस सीट की संख्या 400 से बढ़ाकर 500 की जाएगी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग इस योजना पर काम कर रहा है। वर्तमान में, राज्य के तीन मेडिकल कॉलेजों में 400 एमबीबीएस सीट हैं।

खेलमंत्री मांडविया ने एशियाई एक्काटिक्स चैम्पियनशिप का शुभंकर और लोगो जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने अहमदाबाद में 28 सितंबर से 11 अक्टूबर तक होने वाली 11वीं एशियाई एक्वाटिक्स चैम्पियनशिप का शुभंकर 'जलवीर' और लोगो जारी किया। यह टूर्नामेंट 2026 एशियाई खेलों के लिए क्वालीफायर भी है।

मांडविया के साथ भारतीय तैराकी महासंघ के पदाधिकारी भी मौजूद थे। चैम्पियनशिप नवनिर्मित वीर सावरकर खेल परिसर में होगी जिसमें 30 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे। इस अवसर पर मांडविया ने कहा, यह चैम्पियनशिप भारतीय एक्वाटिक्स (तरण ताल खेलों) के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इससे हमारे खिलाड़ियों को एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ने शिक्षा प्रणाली में तत्काल सुधार का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के टी परनाइक ने शिक्षा प्रणाली में तत्काल सुधार का शुक्रवार को आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि शिक्षण पद्धति, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन को छात्रों की क्षमता, तर्क क्षमता और रचनात्मक सोच के निर्माण पर केंद्रित होना चाहिए।

शिक्षक दिवस के मौके पर यहां 40 शिक्षकों को राज्य पुरस्कार प्रदान करते हुए परनाइक ने कहा कि उच्चतर माध्यमिक शिक्षा को विद्यार्थियों को जटिलता, अनुशासन और स्वतंत्र निर्णय लेने के नजरिये से तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि ये वर्ष केवल बोर्ड पाठ्यक्रम और प्रश्नों के उत्तर याद करने में ही व्यतीत हो जाएं, तो इससे प्रदर्शन संबंधी चिंता पैदा होती है। परनाइक ने इस बात पर जोर दिया कि परीक्षाओं में एक दिन की परीक्षाओं के जरिए कृत्रिम दबाव डालने के बजाय तर्कशक्ति और रचनात्मकता का आकलन होना चाहिए।

उन्होंने आग्रह किया कि छात्रों को ज्ञान का इस्तेमाल करने, आलोचनात्मक चिंतन करने और साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले लोगों को बधाई देते हुए राज्यपाल ने उन्हें सच्चे राष्ट्र निर्माता, युवा मस्तिष्क को आकार देने वाले और हमारे समाज के भाग्य निर्माता बताया।

परनाइक ने शिक्षक समुदाय को किताबों से आगे बढ़कर खुद को लगातार नई सूचनाओं के बारे में जानकारी रखने, नए-नए तरीके अपनाने और व्यक्तिगत आचरण के माध्यम से मूल्यों का संचार करने की सलाह दी। उन्होंने कमजोर छात्रों पर ध्यान देने, महापुरुषों के जीवन से सीख लेने और जिज्ञासा, सहयोग और अनुशासन को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

ओडिशा 'अमा बस' सेवा के बेड़े में 600 ई-बसें शामिल करेगा : कृष्णचंद्र महापात्रा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने 'अमा बस' सेवा के बेड़े में 600 इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने का फैसला किया है। आवास और शहरी विकास विभाग के मंत्री कृष्णचंद्र महापात्रा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य को अपनी बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लगभग एक हजार ई-बसों की आवश्यकता है। राज्य सरकार 200 ई-बस खरीदेगी, जबकि शेष 400 बसें केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी।

मंत्री ने कहा कि पहले चरण में संबलपुर में 25 ई-बसें चलाई जाएंगी और इसके बाद झारसुगुड़ा, क्योंझर, ब्रह्मपुर और अंगुल में चरणबद्ध तरीके से इनका संचालन किया जाएगा। महापात्रा ने कहा, 600 ई-बसों के परिचालन के साथ ओडिशा हरित शहरों और स्मार्ट शहरी परिवहन की दिशा में एक निर्णायक कदम उठा रहा है।

मंत्री ने कहा कि राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) द्वारा अपनी 'अमा बस' पहल के तहत ये सेवाएं संचालित की जाएंगी, जिसका उद्देश्य सुरक्षित, किफायती और हरित परिवहन उपलब्ध कराना है।

बिहार के लोगों की तुलना 'बीड़ी' से करना 'सभी बिहारियों का अपमान': भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार के लोगों की तुलना 'बीड़ी' से करने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस की आलोचना की और इसे 'सभी बिहारियों का अपमान' बताया तथा विपक्ष से इसके राजनीतिक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने को कहा। पार्टी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में इसे एक ''बहुत बड़ा मुद्दा'' बनाएगा।

भाजपा की यह प्रतिक्रिया तब सामने आई जब कांग्रेस की केरल इकाई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, बीड़ी और बिहार 'बी' से शुरू होते हैं। अब इसे पाप नहीं माना जा सकता। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस की केरल इकाई की पोस्ट को ''शर्मनाक'' बताया और कहा कि बिहार के लोग आगामी विधानसभा चुनावों में ''बिहारियों के इस अपमान'' का जवाब देंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, इसने (कांग्रेस) हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां का अपमान किया और अब तक इसके लिए माफी नहीं मांगी। और अब इसने बिहार की गरिमा और बिहारियों का अपमान किया है। उन्होंने पूछा, राहुल गांधी, आप क्या कर रहे हैं?'' उन्होंने कहा, आपको बिहार के इतिहास की कोई परवाह नहीं है। क्या आप बिहार की तुलना बीड़ी से करेंगे?'' प्रसाद ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनमें कांग्रेस की केरल इकाई द्वारा बिहारियों के इस तरह के अपमान की निंदा करने का ''साहस'' नहीं है। बिहार के पटना साहिब निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य ने कहा, कांग्रेस और तेजस्वी यादव, हम आपको चेतावनी देना चाहते हैं कि हम इसे बिहार चुनाव में एक बहुत बड़ा मुद्दा बनाएंगे और आपको बेनकाब करेंगे।

संघवाद का गला काट रहा उपकर : डेरेक ओ ब्रायन

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र को दिया जा रहा उपकर ''संघवाद का गला काट रहा है'' और कई राज्यों ने कर राजस्व की उनके साथ बांटी जाने वाली राशि (विभाज्य पूल) के घटने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, जीएसटी को लेकर मचे शोर में चार अक्षरों वाला शब्द जो संघवाद का गला काट रहा है, वह है 'सेस' (उपकर)।

राज्यसभा सदस्य ने कहा, उपकर के रूप में एकत्रित धनराशि 100 प्रतिशत केंद्र सरकार को जाती है। राज्य सरकारों के साथ एक रुपया भी साझा नहीं किया जाता। ओ ब्रायन ने कहा कि 2012 में उपकर केंद्र सरकार के कुल कर राजस्व का सात प्रतिशत था, जबकि 2025 में उपकर केंद्र सरकार के कुल कर राजस्व का लगभग 20 प्रतिशत होने का अनुमान है। उन्होंने कहा, 22 राज्यों ने, जिनमें से कई भाजपा शासित हैं, साझा की जाने वाली राशि के घटने का विरोध किया था। इन राज्यों ने 16वें वित्त आयोग से कर संग्रह में अधिक हिस्सेदारी की मांग की थी - जो वर्तमान में 41 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग की गई। तृणमूल नेता ने कहा, आरबीआई के अनुसार, विभाज्य पूल 2011 में सकल कर राजस्व के 89 प्रतिशत से घटकर 2021 में 79 प्रतिशत रह गया।

भारत का महिला एशिया कप हॉकी में शानदार आगाज, थाईलैंड को 11-0 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ (चीन)/भाषा। उदिता दुहान और ब्यूटी डुंग डुंग के दो-दो गोल की मदद से भारत ने महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में शुक्रवार को यहां थाईलैंड को 11-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। उदिता ने 30वें और 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि डुंग डुंग ने 45वें और 54वें मिनट में गोल किए।

इन दोनों के अलावा भारत की तरफ से मुमताज खान (सातवें मिनट), संगीता कुमारी (10वें), नवनीत कौर (16वें), लालरेम्सियामी (18वें), थौदाम सुमन देवी (49वें), शर्मिला देवी (57वें) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें) ने गोल दागे।

वर्तमान में विश्व में नौवें स्थान पर काबिज भारत ने 30वें स्थान पर काबिज थाई टीम के खिलाफ पूल बी के मैच में हाफ टाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी।

भारत को कुल नौ पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से पांच को उसने गोल में बदला। दूसरी तरफ थाईलैंड एक भी पेनल्टी कार्नर हासिल नहीं कर पाया।

भारत ने शुरू से ही दबदबा बना दिया था। पहले क्वार्टर में मुमताज और संगीता के दो फील्ड गोल किए। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अधिक हमलावर तेवर दिखाये और तीन गोल दागकर अपनी बढ़त और मजबूत कर दी।

अनुभवी फारवर्ड नवनीत और मिडफील्डर लालरेम्सियामी ने एक-एक फील्ड गोल किया, जिसके बाद हाफ टाइम से ठीक पहले उदिता ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा।

दूसरे हाफ में भी यही स्थिति रही और भारत ने थाईलैंड के सर्कल के अंदर लगातार हमले जारी रखे। भारत को तीसरे क्वार्टर में चार पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से डुंग डुंग ने 45वें मिनट में एक को गोल में बदला।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में पांच गोल करके अपनी बड़ी जीत सुनिश्चित की। मुमताज, उदिता और शर्मिला ने पेनल्टी कॉर्नर पर जबकि डुंग डुंग और रुतुजा ने फील्ड गोल किए।

इस टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग ले रही हैं जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। दोनों पूल से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सुपर 4 चरण के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर 4 की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को होने वाले फाइनल में खेलेंगी।

भारत इस टूर्नामेंट में अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया और शीर्ष ड्रैग फ्लिकर दीपिका के बिना उतरा है। यह दोनों चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रही है।

एशिया कप विजेता टीम बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी।

थाईलैंड के बाद भारत अब शनिवार को जापान से भिड़ेगा। इसके बाद वह पूल चरण के अपने अंतिम मैच में आठ सितंबर को सिंगापुर का सामना करेगा।

यात्रा दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे शुक्रवार की सुबह चार घंटे की यात्रा के लिए अयोध्या पहुंचे और इस दौरान उनका राम मंदिर और अन्य देवी देवताओं का दर्शन करने का कार्यक्रम है। अधिकारियों ने बताया कि तोबगे भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान से सुबह साढ़े नौ बजे अयोध्या हवाईअड्डा पहुंचे जहां उनका जिला प्रशासन द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी और अयोध्या के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने तोबगे की अगवानी की।

भाजपा ने विदेशी अधिनियम आदेश को समय की जरूरत बताया, विपक्ष ने विरोधाभासी करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा ने कहा है कि पड़ोसी देशों से अवैध यात्रा दस्तावेज लेकर आए गैर-मुस्लिमों को आवासीय दर्जा देने संबंधी केंद्र के हालिया आदेश को लागू करने का इससे ''बेहतर समय'' नहीं हो सकता था। वहीं, विपक्ष का मानना है कि यह पूर्वी क्षेत्र के चुनावी राज्यों में भाजपा की अपनी स्थिति को बिगड़ने से रोकने की रणनीति है।

राजनीतिक हलकों में इस आदेश की व्याख्या हाल के दिनों में बांग्लादेश से आए प्रताड़ित हिंदुओं को नागरिकता देने की दिशा में पहले कदम से लेकर समुदायों के बीच गृहयुद्ध के नुस्खे तक की गई है। संबंधित आदेश के अनुसार, 31 दिसंबर, 2024 को या इससे पहले वैध यात्रा दस्तावेजों के बिना धार्मिक उत्पीड़न के आधार पर भारत में शरण मांगने वाले अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित लोगों पर आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत मुकदमा नहीं चलाया जाएगा।

हाल में एक सितंबर से लागू हुए इस कानून में आव्रजन ब्यूरो के गठन का प्रावधान है तथा साथ ही हेड कांस्टेबल या इससे ऊपर की रैंक के पुलिस अधिकारियों को भारत में विदेशियों के लिए अनिवार्य आव्रजन आवश्यकताओं का उल्लंघन करने के संदेह में किसी भी व्यक्ति को बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार दिया गया है। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 में गैर-मुस्लिम प्रवासियों के लिए भारत में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2014 निर्धारित की गई थी, लेकिन इससे इतर नवीनतम आदेश में ऐसे प्रवासियों के लिए प्रवेश की तिथि को 10 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है, ताकि उन पर मुकदमा न चलाया जा सके।

टीसीएस ओडिशा सरकार के लिए एआई-संचालित एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली बनाएगी

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को ओडिशा सरकार ने कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) के डिजाइन और क्रियान्वयन के लिए चुना है। टीसीएस ने विज्ञप्ति में कहा कि 'आईएफएमएस 3.0' ओडिशा के व्यापक सार्वजनिक वित्तीय कामकाज को स्वचालित करेगी। हालांकि, विज्ञप्ति में इस अनुबंध के वित्तीय पहलू का खुलासा नहीं किया गया। कंपनी ने कहा, टीसीएस ने आईएफएमएस 3.0 को डिजाइन और लागू करने के लिए ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी की है। टीसीएस वर्ष 2005 से ही ओडिशा सरकार के साथ काम कर रही है जिसकी शुरुआत 'इंटीग्रेटेड ओडिशा ट्रेजरी मैनेजमेंट सिस्टम' के साथ हुई थी। विज्ञप्ति के मुताबिक, अनुबंध के तहत टीसीएस 'एआई वर्कबेंच' नाम का एक खास टूल भी इस्तेमाल करेगी। यह एक ऐसा टूल है जो एआई से जुड़े कामों में मदद के लिए बनाया गया है।

मोदी सरकार ने 11 वर्षों में मनरेगा को कमजोर करने की रणनीति पर अमल किया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के बजट को कम करके इसे कमजोर करने की रणनीति पर अमल किया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने मनरेगा के लागू होने के 20 साल पूरे होने के मौके पर यह मांग फिर दोहराई कि इस योजना के तहत दैनिक मजदूरी को 400 रुपए किया जाए, जो अभी 300 रुपए से भी कम है।

रमेश ने एक बयान में कहा, आज मनरेगा के कानून बनने की 20वीं वर्षगांठ है। आज होना तो यह चाहिए था कि हम दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजना की उपलब्धियों को याद करते, लेकिन इस सरकार में योजना के अनिश्चित भविष्य को लेकर चिंता जतानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय के नियमों के अनुसार, किसी भी सरकारी योजना को वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में बजट का 60 प्रतिशत से अधिक खर्च करने की अनुमति नहीं है, लेकिन मंत्रालय ने सिर्फ पांच महीनों में ही 60 प्रतिशत बजट खत्म कर दिया है, जिससे देश के करोड़ों ग्रामीण परिवारों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, यह संकट कोई अपवाद नहीं, बल्कि मोदी सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। मनरेगा को पिछले 11 वर्षों से पर्याप्त बजट नहीं मिला है। उच्च महंगाई के बावजूद तीन वर्षों से इसका बजट लगभग स्थिर है।

'भ्रष्टाचार के आरोपों की स्वतंत्र जांच को मंजूरी न दें जोन'

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे बोर्ड ने अपने सभी जोन के अधिकारियों को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामलों की जांच के लिए स्वतंत्र मंजूरी देने से परहेज करने का निर्देश दिया है।

बोर्ड ने कहा कि यह कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के निर्देशों का उल्लंघन है क्योंकि ऐसी मंजूरी उसके सतर्कता विभाग द्वारा दी जानी चाहिए।

रेलवे बोर्ड ने सभी जोन को संबोधित एक हालिया परिपत्र में कहा, रेलवे बोर्ड सतर्कता के संज्ञान में आया है कि कुछ जोनल रेलवे/उत्पादन इकाइयां भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 17ए के तहत स्वतंत्र रूप से अनुमति दे रही हैं।

परिपत्र में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के निर्देशों को उद्धृत किया गया है, जिसके अनुसार, सरकारी कर्तव्यों का निर्वहन करते समय की गई किसी सिफारिश या निर्णय के लिए किसी लोक सेवक के विरुद्ध जांच सरकार की पूर्व अनुमति के बिना नहीं की जा सकती।

परिपत्र में क्षेत्रीय अधिकारियों को सलाह दी गई है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत राजपत्रित और अराजपत्रित दोनों अधिकारियों के संबंध में अनुमति के लिए अनुरोध को सक्षम प्राधिकारी की आवश्यक स्वीकृति प्राप्त करने के लिए रेलवे बोर्ड सतर्कता को भेजा जाना चाहिए।

नगालैंड के मुख्यमंत्री रियो ने शिक्षक दिवस पर शिक्षा में बड़े बदलाव की घोषणाएं की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने शुक्रवार को राज्य की शिक्षा प्रणाली को राष्ट्रीय और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी शैक्षणिक सुधारों की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने यहां राज्य स्तरीय शिक्षक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए एक मजबूत, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा क्षेत्र के निर्माण को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रमुख घोषणाओं में सिस्टम फॉर ऑउटस्टैंडिंग अचीवमेंट एंड रिफोर्मेशन (एसओएआर) मिशन की शुरुआत शामिल थी। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसे शिक्षण गुणवत्ता, मूल्यांकन मानकों और स्कूल प्रबंधन तौर-तरीकों को वैश्विक मानकों तक बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। रियो ने कहा, हम शैक्षिक विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं। यह मिशन परिवर्तनकारी बदलाव का हमारा माध्यम होगा। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप सभी विद्यालयों में गुणवत्ता मानकों को विनियमित और सुनिश्चित करने के लिए नगालैंड राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण (एनएसएसएसए) की स्थापना की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जनजातीय भाषाओं के विकास के लिए नगालैंड विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में मातृभाषा आधारित शिक्षा शुरू करने और भाषा शिक्षकों के प्रमाणन सहित कई अन्य प्रगतिशील कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नगालैंड 95.7 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ अब भारत का तीसरा सबसे साक्षर राज्य है।

सुविचार

धैर्य वह मार्ग है जो कठिनाइयों को पार करके सफलता तक पहुंचता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वदेशी : स्कूल बनें आंदोलन के केंद्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों और विद्यार्थियों का जिन शब्दों में आह्वान किया है, वे आज अत्यंत प्रासंगिक हैं। अगर शिक्षक और विद्यार्थी इस मुहिम को आगे बढ़ाएं तो देश में बहुत बड़ा बदलाव ला सकते हैं। भारत का सौभाग्य रहा है कि यहां महान शिक्षक हुए हैं, जिन्होंने अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से इतिहास रच दिया। अगर शिक्षक 'चाणक्य' हों तो उन्हें 'चंद्रगुप्त' मिल ही जाते हैं। यहां बड़ा सवाल है– स्वदेशी की मुहिम को शिक्षक कैसे आगे बढ़ाएं? उन्हें सबसे पहले खुद से शुरुआत करनी होगी। वे पता लगाएं कि सुबह उठकर तैयार होने, स्कूल आने, बच्चों को पढ़ाने और घर जाने के बाद रात्रि विश्राम तक कितनी स्वदेशी और विदेशी चीजों का इस्तेमाल करते हैं? उन सबकी सूची बनाएं। अब उन पर नजर डालें और पता लगाएं– जो विदेशी चीजें इस्तेमाल करते हैं, उनके स्वदेशी विकल्प कितने हैं? अपनी सुविधानुसार विदेशी चीजों को इस्तेमाल से बाहर करते जाएं। याद रखें, स्वदेशी को बढ़ावा देने का काम एक दिन का नहीं है। इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। अब टूथब्रश/पेस्ट, साबुन, घड़ी, कपड़े, जूते, बैग, मोबाइल फोन जैसी चीजों के स्वदेशी विकल्प आसानी से उपलब्ध हैं और उनकी गुणवत्ता भी अच्छी है। जब शिक्षक खुद संकल्पबद्ध होकर स्वदेशी चीजों का इस्तेमाल करने लगेंगे तो यह संदेश उनके परिवार, मोहल्ले में जरूर जाएगा। इसके बाद वे विद्यार्थियों से भी कह सकेंगे कि हमें स्वदेशी को बढ़ावा देना है। विदेशी पेय, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाते हैं, उनको तो पहले ही दिन घर से विदा कर दें। जब हमारे देश में दूध, लस्सी और दर्जनों तरह के शर्बत एवं फलों के रस मौजूद हैं तो विदेश के हानिकारक पेय को मुंह क्यों लगाएं?

शिक्षकों को चाहिए कि वे सुबह प्रार्थना सभा में महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महापुरुषों के बारे में बताएं, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए स्वदेशी को एक मिशन बना लिया था। अब हमें उस मिशन को आगे बढ़ाना है, ताकि अपने देश को समृद्ध एवं सशक्त बना सकें। विद्यार्थियों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि पेन, पेंसिल, नोटबुक, स्याही, बैग, जूते, जुराब और ऐसी सभी चीजें जो स्कूल में लेकर आते हैं, वे स्वदेशी हों। यह काम स्नेह और समझाइश से ही होना चाहिए। किसी तरह की सख्ती न दिखाएं। जो विद्यार्थी सबसे ज्यादा स्वदेशी चीजों को बढ़ावा दे रहा हो, उसे प्रार्थना सभा में सम्मानित करना चाहिए। विद्यार्थियों से यह अपील करें कि वे अपने माता-पिता, भाई-बहन, परिजन, दोस्तों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों आदि तक यह संदेश पहुंचाएं। स्वदेशी को बढ़ावा देने से किस तरह हम सबको फायदा होगा, हमारी अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत होगी और अभी क्या चुनौतियां हैं – इन सबके बारे में आसान शब्दों में समझाएं। 'स्वदेशी को बढ़ावा दें' – जैसे विषय पर निबंध, कविता लेखन, पोस्टर निर्माण, नाटक मंचन, प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रम करवाएं। स्कूलों में स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों को आमंत्रित करें। उनके उत्पादों की प्रदर्शनी लगवाएं। बच्चों को गृहकार्य में स्वदेशी पर आधारित प्रश्न दें। इन प्रश्नों को परीक्षाओं में भी शामिल करें। स्वदेशी का मुद्दा सिर्फ सोशल मीडिया और टीवी डिबेट तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसे जन-जन तक पहुंचाना होगा। यह इस सदी का बहुत बड़ा आंदोलन बनना चाहिए। कुछ लोग इस आंदोलन का मजाक उड़ाने की कोशिश कर सकते हैं। जब महात्मा गांधी ने चरखे को स्वदेशी का प्रतीक बनाया था, तब उनके खिलाफ भी खूब टीका-टिप्पणी हुई थी। हमें ऐसी बातों से हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हर नागरिक को स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

पर्युषण आत्मशुद्धि व आत्मोन्नति का अभियान है, जो क्षमा, संयम और करुणा का मार्ग दिखाकर जीवन को श्रेष्ठ व समाजोपयोगी बनाने का संकल्प कराता है। इस भाव को साकार करने वाले गुरु ही वह आलोक हैं, जो जीवन को साधना व सदाचार की दिशा में प्रकाशित करते हैं।

-ओम बिरला

राजस्थान के मंत्री और लोहावट के विधायक गजेन्द्र सिंह खींवसर जी की पूज्य माताजी के गोलोक गमन की सूचना से मन दुखी है। भगवान श्रीराम दिवंगत आत्मा को अपनी शरण प्रदान करें। खींवसर जी से मेरा आत्मीय रिश्ता है, उनके अथाह दुख में मेरा भी सहभाग है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए 'प्रखर राजस्थान 2.0' अभियान व राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल द्वारा 'ऑन डिमांड परीक्षा प्रणाली' के नवाचार का शुभारंभ किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

पुष्प का ऋषिकर्म

महर्षि जावालि ने पर्वत पर खिला एक ब्रह्मकमल देखा। उसकी शोभा और सुगंध से मुग्ध होकर वे विचार करने लगे कि इस पुण्य पुष्प को शिवजी के चरणों में अर्पित करने का सौभाग्य दिया जाए। जब ऋषि उस पुष्प के पास पहुंचे तो वह प्रसन्न अवश्य हुआ, परंतु आश्चर्यचकित होकर आगमन का कारण पूछा। जावालि बोले, 'तुम्हें शिव-सामीप्य का श्रेय देने की इच्छा हुई, इसी अनुग्रह हेतु तुम्हें तोड़ने आया हूं।' यह सुनकर पुष्प की प्रसन्नता खिन्नता में बदल गई। महर्षि ने कारण पूछा तो पुष्प ने कहा, 'शिव-सामीप्य की लालसा करने वाले कम नहीं हैं। देवता को पुष्प जैसी तुच्छ वस्तु की न तो कमी है और न ही इच्छा। ऐसी स्थिति में यदि मैं तितलियों और मधुमक्खियों जैसे क्षुद्र जीवों की थोड़ी सेवा करूं, उन्हें मधुरस प्रदान करूं, तो क्या यह कम पुण्य है? जिस भूमि में मैं पला-बढ़ा, वहां की सेवा करना क्या अनुचित है?' पुष्प की भाव-गंभीरता और नीति-निष्ठा को समझते हुए ऋषि ने उसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की और उसे यथास्थान छोड़कर वापस लौट गए।

सामयिक

जीएसटी का नया दौर : कराधान व्यवस्था क्रांति की ओर

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारतीय कराधान व्यवस्था में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) का आगमन एक ऐतिहासिक एवं क्रांतिकारी कदम था। इसने अप्रत्यक्ष करों के जटिल और उलझे जाल को जहां सरल बनाने का प्रयास किया, वहीं शासन एवं प्रशासन में पसरे भ्रष्टाचार एवं अफसरशाही को भी काफी सीमा तक नियंत्रित किया। सुधार, सुविधा एवं जनता को राहत देने के लिये किये इस प्रयास के बावजूद इसमें अनेक जटिलताएं एवं भारी-भरकम कराधान जनता को बोझिल किये हुए था, इस बात को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार लम्बे समय से महसूस कर रही थी, इसीलिये इसवर्ष स्वतंत्रता दिवस के लालकिले के उद्बोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी को अधिक सुगम एवं जनता के हित में करने की घोषणा की। अब सरकार ने इसे और सुसंगठित करते हुए केवल दो स्लैब्स में कराधान को समेट दिया है और कर भी काफी कम कर दिये हैं तो निश्चय ही यह उपभोक्ताओं और कारोबारियों दोनों के लिए राहतकारी है। इसमें मिडल एवं लोअर क्लास का व्यापक ध्यान रखते हुए उन्हें राहत दी गयी है, जिससे हर परिवार के पास ज्यादा खर्च करने लायक आमदनी बचेगी और लोग अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं पर अधिक खर्च कर सकेंगे। इन बड़े एवं क्रांतिकारी सुधारों से खपत बढ़ेगी, विकास को तीव्र गति मिल सकेगी। निश्चित ही यह एक नए कराधान युग का सूत्रपात है, जिसमें कर प्रणाली अधिक पारदर्शी, सरल और उपयोगी बनने की ओर अग्रसर है।

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद घोषित जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू करने करने की घोषणा की गई है। जिसमें अब 12 व 28 फीसदी के दो स्लैब को खत्म करके सिर्फ 5 व 18 फीसदी कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह सरकार की ओर से आर्थिक सुधारों की कड़ी में एक नई पहल एवं आयाम है, जिससे जीएसटी को तार्किक बनाने व आम जनता को महंगाई से राहत देने का प्रयास हुआ है। वहीं दूसरी ओर विलासिता आदि वस्तुओं के लिये चालीस फीसदी का एक नया स्लैब जोड़ा गया है। विपक्ष इसे देर से उठाया गया कदम बता रहा है, तो सरकार आर्थिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम। जीएसटी के बड़े सुधार को लेकर विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस एवं भाजपा के बीच जो आरोप-प्रत्यारोप शुरु हुआ है, वह इसलिये औचित्यहीन, अतार्किक एवं व्यर्थ है, क्योंकि जीएसटी परिषद ने लम्बी विवेचना एवं आम सहमति से यह फैसला लिया है। वहीं कुछ अर्थशास्त्री इस कदम को ट्रंप के टैरिफ वॉर के परिप्रेक्ष्य में उठाया गया सुरक्षात्मक कदम मानते हैं। जिससे घरेलू खपत को बढ़ाकर निर्यात घाटे को कम किया जा सकेगा। वहीं कुछ लोग इसे नवरात्र में दिवाली से पहले सरकार का तोहफा बता रहे हैं।

अनेक कर दरों की जटिलता उपभोक्ताओं के लिए हमेशा भ्रम और बोझ का कारण रही। बार-बार की दर-संशोधन प्रक्रियाओं से व्यापार जगत में असमंजस की स्थिति बनी रहती थी। अब दो स्लैब्स की व्यवस्था से यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। उपभोक्ता को वस्तुओं और सेवाओं पर अपेक्षाकृत सरल, न्यायोचित और संतुलित कर ढांचा मिलेगा। इससे न केवल मूल्य स्थिरता आएगी, बल्कि खरीदारी और उपभोग की प्रक्रिया भी सहज होगी। इससे व्यापार एवं उद्योग भी विकास की रफ्तार पकडेंगे। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। डिजिटलाइजेशन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, आधार लिंकिंग और पारदर्शी तंत्र ने व्यवस्था में विश्वास जगाया है। जीएसटी भी इसी कड़ी का एक क्रांतिकारी सुधार है जिसने वन नेशन, वन टैक्स' की अवधारणा को मजबूत किया। परंतु सच्चाई यह भी है कि जीएसटी विभाग आज भी भ्रष्टाचार की जकड़न से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है। छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को आए दिन नोटिस, जांच और जटिल प्रक्रियाओं के जाल में उलझाया जाता है। कई बार भ्रष्ट तंत्र इन्हें भयभीत कर अनुचित लाभ उठाता है। यह स्थिति जीएसटी सुधार की भावना के विपरीत है। यदि वास्तव में कराधान को क्रांतिकारी मोड़ देना है, तो जीएसटी व्यवस्था को भी पूर्णतः भ्रष्टाचार मुक्त करना अनिवार्य होगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि टैक्स विभाग लंबे समय तक भ्रष्टाचार का गढ़ बना रहा। जटिल कानून और अनेक कर-श्रेणियाँ इस भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती थीं। लेकिन जब कराधान पारदर्शी और सरल होगा, तो अधिकारी और कारोबारी के बीच की अनावश्यक जटिलता भी कम होगी। इससे जनता एवं छोटे व्यापारियों का विश्वास व्यवस्था पर मजबूत होगा। अब आवश्यकता है कि सरकार जीएसटी प्रणाली को तकनीकी और प्रशासनिक स्तर पर और अधिक पारदर्शी बनाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल ट्रैकिंग का उपयोग कर कर चोरी रोकने के साथ-साथ अधिकारियों की मनमानी और रिश्वतखोरी पर भी अंकुश लगाया जा सकता है। करदाता के अधिकारों की रक्षा हो, ईमानदार व्यापारी को भयमुक्त वातावरण मिले और उपभोक्ता को राहत-तभी जीएसटी सचमुच क्रांति कहलाएगा। जीएसटी का नया दौर एक बड़ी राहत और परिवर्तन का संदेश लेकर आया है। अब अगला कदम यही होना चाहिए कि इसे भ्रष्टाचार से पूरी तरह मुक्त कर ईमानदार करदाताओं का विश्वास जीता जाए। तभी यह कहा जा सकेगा कि भारत ने वास्तव में सही अर्थों में 'एक राष्ट्र, एक कर और एक पारदर्शी कर व्यवस्था' की ओर निर्णायक कदम बढ़ा लिया है।

भारत की आर्थिक यात्रा में कुछ फैसले ऐसे होते हैं, जो केवल नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि युगांतरकारी मोड़ साबित होते हैं। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हालिया सुधार उसी दिशा में उठाया गया एक साहसिक कदम है। कराधान व्यवस्था को सरल बनाने और जनता को सीधी राहत पहुँचाने की दिशा में यह सुधार महज सरकारी निर्णय नहीं, बल्कि एक लोककल्याणकारी दृष्टि का प्रमाण है। आजादी के बाद से भारत में कर-व्यवस्था जटिलताओं, बहुस्तरीय बोझ और भ्रष्टाचार की दलदल में फंसी रही। छोटे व्यापारी हों या आम उपभोक्ता, हर कोई अप्रत्यक्ष करों की इस भूलभुलैया से परेशान था। मोदी सरकार ने जीएसटी को लागू करके पहले ही इस दिशा में बड़ा कदम उठाया था, लेकिन अब इसे और सरल बनाना तथा दो स्लैब्स तक सीमित करना एक क्रांतिकारी सुधार है। इससे न केवल उपभोक्ताओं पर बोझ घटेगा, बल्कि व्यवसाय करने की सुगमता भी बढ़ेगी। अर्थव्यवस्था का असली इंजन जनता की जेब है। जब उपभोक्ता को राहत मिलती है, उसके हाथ में थोड़े अधिक पैसे बचते हैं, तो खपत बढ़ती है। यही खपत उद्योगों को गति देती है, उत्पादन में उछाल लाती है और अंततः रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा असर यही होगा कि यह आर्थिक गतिविधियों को नये पंख देगा और इससे भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बन सकेगा।

किसी भी लोकतांत्रिक शासन का मूल्यांकन इस बात से होता है कि वह अपने नागरिकों के हितों को किस हद तक प्राथमिकता देता है। मोदी सरकार ने जीएसटी सुधार के जरिए यह स्पष्ट किया है कि उनकी नीतियाँ महज आँकड़ों का खेल नहीं, बल्कि जनजीवन को आसान बनाने की कोशिश हैं। यह सुधार जनता को केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि मानसिक राहत भी देता है। हालाँकि सुधार के साथ चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। राज्यों को राजस्व हानि की भरपाई, छोटे कारोबारियों को नई व्यवस्था में सहज बनाना और कर-प्रशासन में पारदर्शिता बनाए रखना, ये सब गंभीर प्रश्न हैं। लेकिन यदि इन्हें दूर किया गया तो यह सुधार भारत को एक मजबूत, पारदर्शी और विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था की ओर ले जाएगा। जीएसटी सुधार को जनता के लिए 'एक उपहार' कहना गलत नहीं होगा। यह केवल कराधान का बदलाव नहीं, बल्कि जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की पहल है। यह निर्णय बताता है कि शासन की नीतियाँ केवल सत्ता चलाने के लिए नहीं, बल्कि जनता को राहत देने और देश को विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ाने के लिए बनाई गई हैं। लेकिन यहां यह देखना ज्यादा जरूरी है कि इस बदलाव से वास्तव में आम उपभोक्ता को कितना फायदा होता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उद्योग कर कटौती का लाभ उपभोक्ता तक कैसे पहुंचाते हैं। साथ ही नियामक कितनी सतर्कता से अनुपालन सुनिश्चित करते हैं।

मुद्दा

संकट में हैं प्रकृति के सफाई कर्मी गिद्ध

प्रमोद दीक्षित मलय

मोबाइल : 9452085234

यही कोई तीन वर्ष पहले की बात है। मैं अपनी गाड़ी द्वारा बांदा से पन्ना, मध्यप्रदेश जा रहा था। रास्ते में अजयगढ़ के पहले और करतल कस्बे के थोड़ा आगे पहाड़ की एक बड़ी चट्टान पर बैठे हुए सात-आठ गिद्ध दिखे। सहसा विश्वास नहीं हुआ, लगा स्वप्न है, मेरा भ्रम है। मैं रुककर सड़क पर खड़ा उन्हें अपलक साश्चर्य देखने लगा कि तभी एक गिद्ध चलते हुए उछलकर दूसरी शिला पर पंख फैलाकर बैठ गया। मेरा तन-मन खुशी के उजाले से भर गया। दो दशक से अधिक समय हो गया था किसी गिद्ध को देखे हुए। समाचार पत्रों, रेडियो और टेलीविजन की खबरों में पढ़ने, सुनने और देखने को मिलता कि गिद्ध अब लगभग विलुप्त हो गये हैं। हालांकि, गिद्ध संरक्षण के समाचार भी यदा-कदा पढ़ने को अवश्य मिलते पर कहीं गिद्ध नहीं दिखते। बहुत दुख होता कि मैंने अपने जीवन काल में ही प्रकृति के सफाई कर्मी मवेशी मुर्दाखोर विशाल पक्षी जटायु वंशज गिद्ध को खत्म होते देखा-सुना, जिनकी भूमिका प्रकृति और मानव जीवन को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण थी। मन पीड़ा से कराह उठता, एक हूक सी उठती कि हम प्रकृति के अनुपम उपहार को बचा न सके। तब मन बार-बार बचपन के स्मृति-वन में भटकता, यादों की पिटारी में गिद्धों को खोजता। तब सुंदर दृश्य मानस पटल पर सजीव हो उठते और बड़े-बुजुर्गों से सुनी वे कहानियां उभरने लगतीं, जिनके नायक गिद्ध थे। अपने गांव 'बल्लान' में खेतों के मध्य आम, कैथा, जामुन, नीम के सघन वृक्षों की छांव में वह माटी का खपरैल वाला घर और गाय के गोबर से लिपा बड़ा सा आंगन। दुपहर में आंगन में मूंज की सुतली से बुनी चारपाई पर जब लेटता तो लगता प्रकृति माता ने आसमान को ही नीली चादर बना ओढ़ा दिया हो। नीले गगन में सैकड़ों की संख्या में छोटे-बड़े सिलेटी-कत्थई रंग के पक्षी खिलौनों की मानिंद आकाश में तैरते दिखते, जैसे वर्तमान में ड्रोन उड़ते हैं।

कभी-कभार कोई पंख फड़फड़ाता अन्यथा सभी हवा के साथ गोल घेरे में अनायास घूमते रहते। मुझे वह दृश्य बहुत प्यारा लगता। मैं दादी से चहक कर पूछता कि आकाश में वे क्या उड़ रहे हैं। दादी कहतीं, वे जटायू हैं, गीध-चील। ऊपर से मरे जानवर का देखत हैं और देख जांय पर उतर के खाय जात हैं। ओह, तब समझ में आता कि हमारे खेतों के बगल से बह रही बम्बी (छोटी नहर) के किनारे वाले खेत में मृत मवेशी खाने वाले डरावने से पक्षी गिद्ध और चील हैं। लगभग हर दो-तीन दिन के अंतराल में आकाश में यही नजारा होता।

फिर आगे न जाने क्या हुआ कि धीरे-धीरे गिद्ध खत्म होने लगे और एक दिन आकाश गिद्धों से रिक्त हो गया। मृत जानवर सड़ते रहे और दुर्गन्ध फैलती रही। राहगीर नाक में अंगौछा रख जल्दी-जल्दी बढ़ वहां से आगे निकल जाते। जब बड़ा हुआ तो समझ आया कि गिद्धों की मौत का कारण बीमार जानवरों की एक दर्द-निवारक दवा डाइक्लोफेनाक है, जिसका असर मृत जानवरों के मांस पर भी बना रहता था और गिद्धों द्वारा मांस खाने से वह उनके गुर्दों एवं श्वास तंत्र को प्रभावित करती थी, फलतः गिद्ध मरने लगे थे। इस दवा के कारण भारत में कभी करोड़ों की संख्या वाले गिद्धों में से 98 प्रतिशत मारे गये। सरकार ने डाइक्लोफेनाक पर प्रतिबंध लगा गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन के मानवीय प्रयत्न आरम्भ किए। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, असम, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में गिद्ध संरक्षण केंद्र खोले गये। हर वर्ष सितम्बर के पहले शनिवार को विश्व भर में गिद्धों के संरक्षण हेतु जागरूकता दिवस मनाया जाता है ताकि गिद्धों को बचाने के लिए समुदाय एकजुट हो, क्योंकि गिद्ध ही हैं जो पशुओं के शवों को खाकर बीमारी रोकते और वातावरण शुद्ध रखते हैं। संकट काल से गिद्धों को बचाकर आगामी पीढ़ी को सौंपना ही हमारा कर्तव्य है।

नजरिया

संस्कार और चरित्र निर्माण की पाठशाला है परिवार

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

परिवार के सम्बन्ध में देशभर से मिल रही ख़बरे बेहद चिंताजनक है। परिवार को हमारे समाज में सामाजिक और सार्वभौमिक संस्था के रूप में स्वीकारा गया है। अनुशासन, आपसी स्नेह और भाईचारा तथा मर्यादा, परिवार को एक खुशहाल परिवार बना देता है। बुजुर्गों का कहना है जिस परिवार में एकता की भावना होती है, उसी घर में ही सुख-शांति और सम्पन्नता का निवास होता है। यही सामाजिक संस्था आज खंडित होने की स्थिति में है। परिवार और बिखरते रिश्ते आज समाज की एक जटिल सच्चाई बन गए हैं। परिवार की व्यवस्था आज की नहीं है, बल्कि ऋषि-मुनियों की देन है। लेकिन आज दरकते रिश्तों से परिवार व्यवस्था टूट रही है जो समाज के लिए ठीक नहीं है। आज भी देश और दुनियां, परिवार और संयुक्त परिवार की अहमियत को लेकर विवादों में उलझी है। भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान रही है। वह भी एक जमाना था जब भरा पूरा परिवार हँसता खेलता और चहकता था और एक दूसरे से जुड़ा रहता था। बच्चों की किलकारियों से मोहल्ला गूंजता था। पैसे कम होते थे पर उसमे भी बहुत बरकत होती थी। घर में कोई हंसी खुशी की बात होती थी तो बाहर वालों को बुलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती थी। आज परिवार छोटे हो गए हैं और टूटते जा रहे हैं। हमारे रिश्ते बिखरते जा रहे हैं। संयुक्त परिवार की आज के समय में महती आवश्यकता है। संयुक्त परिवारों के अभाव में भाईचारा एवं पारिवारिक वातावरण खत्म होने लगा है। परिवार में रिश्तो की नीरसता और संवादहीनता को दूर करने परस्पर भाईचारे व तालमेल को बैठाने के लिए रिश्तो में सकारात्मक सोच को बढ़ाने की जरुरत है। परिवार के सभी छोटे हुए बड़े सदस्यों की भावनाओ का सम्मान करे तथा दिन भर घटित होने वाली छोटी-छोटी बातों और दुख-सुख को आपस में बांटे करे।

भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली बहुत प्राचीन समय से ही विद्यमान रही है। साधारणतः संयुक्त परिवार वह है जिसमें पति-पत्नी, सन्तान, परिवार की वधुएँ, दादा-दादी, चाचा-चाची, अनके बच्चे आदि सम्मिलित रूप से रहते है। संयुक्त परिवार में माता-पिता, भाई-बहन के अतिरिक्त चाचा, ताऊ की विवाहित संतान, उनके विवाहित पुत्र, पौत्र आदि भी हो सकते हैं। संयुक्त परिवार से घर में खुशहाली होती है। साधारणत पिता के जीवन में उसका पुत्र परिवार से अलग होकर स्वतंत्र गृहस्थी नहीं बसाता है। यह अभेद्य परंपरा नहीं है, कभी-कभी अपवाद भी पाये जाते हैं। ऐसा भी समय आता है, जब रक्त संबंधों की निकटता के आधार पर एक संयुक्त परिवार दो या अनेक संयुक्त अथवा असंयुक्त परिवारों में विभक्त हो जाता है। असंयुक्त परिवार भी कालक्रम में संयुक्त परिवार का ही रूप ले लेता है और संयुक्त परिवार का क्रम बना रहता है। जिस फैमिली में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और खूब सारे भाई-बहन होते है उसे जॉइंट फैमिली (संयुक्त परिवार) कहां जाता है। ऐसी फैमिली की बुनियाद उनके बीच का प्यार है, जो सबको एस साथ जोड़ कर रखती है। इस में बूढ़ों से लेकर बच्चे कर अपना सुख-दुख एक साथ बाटते है। सास बहू का परस्पर रिश्ता परिवार का मूल आधार होता है। सच तो यह है आज यही रिश्ता दरक रहा है। बहुत से परिवार इसलिए टूट रहे हैं क्योंकि सास ने बहू को बेटी और बहू ने सास को मां मानने से इंकार कर दिया है। सास को बहू पराये घर से आई लगती है और बहू को ससुराल पराया लगता रहता है। इसी रिश्ते को प्रेम और स्नेह में बदलकर परिवार नामक संस्था को बचाया जा सकता है।

संयुक्त परिवार के सदस्यों के पास आपसी सामंजस्य की समझ होती है। एक बड़े संयुक्त परिवार में, बच्चों को एक अच्छा माहौल और हमेशा के लिये समान आयु वर्ग के मित्र मिलते हैं इस वजह से परिवार की नयी पीढ़ी बिना किसी रुकावट के पढ़ाई, खेल और अन्य दूसरी क्रियाओं में अच्छी सफलता प्राप्त करती हैं। हर परिवार के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। सुरक्षा की दृष्टि से संयुक्त परिवार की खूबियां है तो सुविधा की दृष्टि से एकल परिवार के भी अपने फायदे हैं। बदलते वक्त और जरूरत के हिसाब से परिवार संयुक्त और एकल परिवार का रूप लेते हैं।

सुरक्षा, और सुविधा, दोनों ही दृष्टियों से संयुक्त परिवार के अपने फायदे हैं। संयुक्त परिवार में अगर कभी किसी को कोई दिक्कत होती हैं तो सभी सहायता के लिए पूरा परिवार ही जुट जाता है। बच्चों को छोड़कर ऑफिस या कहीं बाहर जाना है तो भी निश्चिंतता के साथ जा सकते हैं। यहां बच्चों की जिम्मेदारी सिर्फ माता-पिता की नहीं बल्कि पूरे परिवार की होती है। बच्चे परिवार के संस्कार भी सीखते हैं। संयुक्त परिवार का एक मुखिया होता है, जो परिवार के सभी सदस्यों के लिए नीतियाँ और निर्देश देता है। इन परिवारों में पुत्र विवाह के बाद अपने लिए अलग रहने की व्यवस्था नहीं करता।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दो चूहामार अभियान, करोड़ों का भुगतान, फिर भी अस्पताल में घुसकर मरीजों को काट रहे चूहे

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में चूहों के हमले के बाद दो नवजात बच्चियों की मौत के कारण इंदौर का शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) इन दिनों चर्चा में है, लेकिन इस अस्पताल में चूहों की 'घुसपैठ' का मामला कतई नया नहीं है और ये जीव पहले भी मरीजों को काट चुके हैं।

प्रशासन ने गुजरे तीन दशक के दौरान एमवायएच में चूहों के खात्मे के लिए दो बड़े अभियान चलाए हैं। इसके साथ ही, निजी फर्मों को एमवायएच में कीट नियंत्रण, साफ-सफाई और रख-रखाव से जुड़े अन्य कामों के लिए सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए का भुगतान किया जा चुका है, लेकिन अस्पताल की 75 साल पुरानी इमारत में चूहों की चहलकदमी जारी है और उनके काटने की स्थिति में मरीजों को संक्रमण का खतरा बना हुआ है।

एमवायएच की गिनती सूबे के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में होती है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि वर्ष 1994 के दौरान सूरत में प्लेग के प्रकोप के बाद इंदौर के तत्कालीन जिलाधिकारी सुधि रंजन मोहंती (जो बाद में राज्य के मुख्य सचिव भी बने थे) के नेतृत्व में पूरे एमवायएच को कुछ दिनों के लिए खाली कराते हुए चूहामार अभियान चलाया गया था जिसके तहत 12,000 से ज्यादा चूहे मारे गए थे। उन्होंने बताया कि इंदौर के तत्कालीन संभाग आयुक्त (राजस्व) संजय दुबे के नेतृत्व में एमवायएच में 2014 के दौरान एक बार फिर चूहामार अभियान चलाया गया था। माना जाता है कि इस अभियान में कम से कम 2,500 चूहे मारे गए थे।

चूहों के हमले के बाद दो नवजात बच्चियों की मौत के ताजा मामले को लेकर मचे बवाल के बीच एमवायएच प्रशासन लगातार दावा कर रहा है कि दोनों शिशुओं की मौत का चूहों के काटने से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने अलग-अलग जन्मजात विकृतियों के कारण पहले से मौजूद गंभीर स्वास्थ्यगत परेशानियों से दम तोड़ा।

बहरहाल, पशु चिकित्सक डॉ. नरेंद्र चौहान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया,''संक्रमित चूहों के संपर्क में आने से इंसानों में अलग-अलग बीमारियां फैल सकती हैं जिनमें रैट-बाइट फीवर और प्लेग प्रमुख हैं। कुछ बीमारियां चूहों के पेशाब, मल, लार, बाल या उन पर पाए जाने वाले पिस्सू या किलनी के माध्यम से होने वाले संक्रमण से भी फैल सकती हैं।

एमवायएच में बच्चों की सर्जरी के विभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्रजेश लाहोटी के इस सिलसिले में अपने तर्क हैं। कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों का सामना कर रहे वरिष्ठ चिकित्सक ने कहा,चूहों के काटने से किसी इंसान की मौत नहीं हो सकती। गांवों में किसानों के खेतों में काम करने के दौरान भी चूहे निकलते रहते हैं। कभी-कभी हम लोगों (चिकित्सकों) को भी यहां अस्पताल या दूसरी जगह ड्यूटी करते वक्त चूहे काट लेते हैं। चूहों के हमले के बाद दो नवजात बच्चियों की मौत को लेकर आलोचना झेल रहे एमवायएच प्रशासन ने उस निजी फर्म को राज्य सरकार की काली सूची में डालने की सिफारिश की है जिसके पास अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा, कीट नियंत्रण और डेटा एंट्री ऑपरेटर सरीखे मानव संसाधन मुहैया कराने का ठेका है।

कोलकाता: जलवायु और संस्कृति पर मजबूत संदेश के साथ फेस्ट5 अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शुरू

कोलकाता/भाषा। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण (एएनएसआई) सभागार में शुक्रवार को चार दिवसीय फेस्ट-5 अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एफ5आईएफएफ25) का उदघाटन हुआ, जिसमें प्रदर्शित किए जाने के लिए दुनिया भर से 30 फिल्मों का चयन किया गया है।

जलवायु जागरूकता के मुद्दे पर प्रकाश डालने वाले इस महोत्सव में 69 देशों से 550 से अधिक फिल्में प्रस्तुत की गईं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम की तेजी से मजबूत होती पकड़ को दर्शाता है।

एफ5आईएफएफ के निदेशक सौरव डे ने कहा, प्रदर्शन के लिए 30 फिल्मों का चयन किया गया।

पद्मश्री से सम्मानित एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री ममता शंकर ने फिल्म महोत्सव का उदघाटन करते हुए कहा, सिनेमा हमेशा से समाज का आईना रहा है और पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन तथा इंसान की गरिमा पर केंद्रित एफ5आईएफएफ जैसा महोत्सव आज के समय में बहुत जरूरी है।

राज कुंद्रा की फिल्म 'मेहर' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा की पहली पंजाबी फिल्म 'मेहर' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस खुशी के मौके पर अभिनेत्री ने राज से ऑटोग्राफ लिया और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह राज और उनके बेटे वियान के साथ थिएटर में नजर आ रही हैं। वीडियो में शिल्पा राज से ऑटोग्राफ लेते हुए मजाकिया अंदाज में कहती हैं, मेरा पहला ऑटोग्राफ। अभी तक तो सिर्फ चेक पर लेती थी। राज ने टिशू पेपर पर लिखा, राज सिर्फ तुमसे प्यार करता है। शिल्पा ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, मेरे हमेशा के हीरो से मेरा पहला ऑटोग्राफ। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में आपकी शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। मुझे आपकी 'मेहर' में शानदार अभिनय पर बहुत गर्व है। इस फिल्म को बहुत सफलता मिले। 'मेहर' की पूरी टीम को रिलीज के लिए बधाई। रब मेहर करे।

'मेहर' एक भावुक कहानी है, जो पंजाब के ग्रामीण क्षेत्र के करमजीत की जिंदगी पर आधारित है। इस फिल्म का किरदार अपने पिता, पति और बेटे के रूप में खोई हुई इज्जत को फिर से हासिल करने की कोशिश करता है। जिंदगी की मुश्किलों से टूटने के बावजूद वह दृढ़ संकल्प के साथ परिवार के लिए अपनी कीमत साबित करता है। 'मेहर' की कहानी संघर्ष, प्यार और परिवार के जज्बे को बखूबी पेश करती है।

फिल्म में राज के साथ गीता बसरा भी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें, बनिंदर बनी, सविता भट्टी, रूपिंदर रूपी, दीप मनदीप, आशीष दुग्गल, हॉबी धालीवाल, तरसेम पॉल और कुलवीर सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं। शिल्पा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही निर्देशक प्रेम की कन्नड़ एक्शन ड्रामा फिल्म 'केडी: द डेविल' में दिखेंगी। इसमें ध्रुव सरजा, संजय दत्त, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रीश्मा नानैया और नोरा फतेही जैसे सितारे भी शामिल हैं।

पूजा

नेपाल के काठमांडू में पारंपरिक कुमारी पूजा के दौरान जीवित देवी के रूप में सजी एक लड़की।

भारतीय छात्रों की अमेरिका में घट रही रुचि : रिपोर्ट

मुंबई, चार सितंबर (भाषा) अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, क्योंकि भारतीय छात्र जर्मनी जैसे गंतव्यों को पसंद कर रहे हैं, जहां 2024-25 में 32.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। एडटेक कंपनी अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन (टीएनई) रिपोर्ट 2024-25 में कहा गया है कि अमेरिका अब भारतीय छात्रों के लिए स्वभाविक और सबे पसंदीदा शैक्षणिक गंतव्य नहीं रह गया है। इसमें कहा गया कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि जर्मनी जैसे यूरोपीय गंतव्यों (2022 के 13.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 32.6 प्रतिशत) और संयुक्त अरब अमीरात (जहां 42 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय छात्र भारतीय हैं) में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है।

पश्चिम एशिया तेजी से भारतीय छात्रों के लिए एक व्यावहारिक और सुलभ विदेश अध्ययन स्थल बनता जा रहा है, जहां वैश्विक परिसरों से डिग्री कार्यक्रम उपलब्ध हैं।इसमें कहा गया कि दुबई और कतर के एजुकेशन सिटी में जॉर्जटाउन, जॉन्स हॉपकिन्स, आरआईटी, कार्नेगी मेलॉन और वेइल कॉर्नेल सहित अमेरिकी विश्वविद्यालयों के सैटेलाइट परिसर अपने घरेलू संस्थानों के समान ही डिग्री प्रदान करते हैं। 2022 में अमेरिका (19 प्रतिशत) और कनाडा (18 प्रतिशत) भारतीय छात्रों के लिए शीर्ष गंतव्य थे। इसके अनुसार, कि 2023 तक अमेरिका में यह दर लगभग 60 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो कई कारकों के कारण 47 प्रतिशत पर आकर रुक गई।

हरनाज संधू ने साझा किया अनुभव, कहा- 'मरजाना' करना आसान नहीं था

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस हरनाज संधू बहुत जल्द फिल्म बागी-4 में टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इस फिल्म में वो अलीशा की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म से अभिनेत्री हरनाज संधू का लेटेस्ट गाना 'मरजाना' हाल ही में रिलीज हुआ था। इसके बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि इसकी शूटिंग बहुत ही चुनौतीपूर्ण थी। यह गाना करना उनके लिए बहुत मुश्किल था क्योंकि इस गाने में उन्हें अपनी आंखों से बात करनी थी। गाने में फिल्म के एक्टर टाइगर श्रॉफ अपनी प्रेमिका की कब्र पर रोते दिख रहे हैं। इसके बाद वो अलीशा (हरनाज) की यादों में खो जाते हैं। हरनाज को इस गाने में कभी लाल गाउन में या कभी सफेद गाउन में डांस करते देखा जा सकता है। इसमें वह अपने डांस और परफॉर्मेंस से सबको मंत्रमुग्ध करती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने गाने में गहरी भावनाओं और संवेदनशीलता का तड़का लगाया है।

इस गाने पर काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए हरनाज ने कहा, 'मरजाना' की शूटिंग मेरे अब तक के सबसे भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक थी। बागी 4 के अन्य गानों के उलट यह गाना नृत्य या ग्लैमर के बारे में नहीं था, बल्कि स्थिरता, मौन और आंखों में दर्द को व्यक्त करने के बारे में था। उन्होंने आगे कहा, इसमें सीखने और समझने के लिए बहुत कुछ था क्योंकि में अलीशा को एक याद के रूप में दिखा रही थी।

यह अनुभव करना रोमांचक है कि जीवन के कठिन क्षणों को चित्रित करते हुए सिनेमा कितना शक्तिशाली हो सकता है। मरजाना ने मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की जगह दी, और मुझे उम्मीद है कि यह ईमानदारी दर्शकों से उसी तरह जुड़ेगी जैसे शूटिंग के दौरान मुझसे जुड़ी थी।

इससे पहले 'बागी 4' के गाने 'गुजारा' में अपनी मासूमियत से उन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और 'बाली सोहनी' में अपने डांस से फैंस का दिल जीता। वो एक मल्टीटैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, जो इस फिल्म में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाती दिखाई देंगी। साजिद नाडियाडवाला ने 'बागी 4' की कहानी लिखी है। ए. हर्ष इसके निर्देशक हैं। 'बागी 4' जबरदस्त एक्शन, धमाकेदार ड्रामा से भरी फिल्म होगी। यह 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में संजय दत्त विलेन के रोल में दिखाई देंगे।

'घाटी' से अनुष्का शेट्टी की वापसी, प्रभास ने कहा, देखने के लिए बेताब हूं स्वीटी

मुंबई/एजेन्सी

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। वह इन दिनों अपनी नई फिल्म 'घाटी' को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है और फैंस की नजरें बस इसी पर टिकी हैं। रिलीज से एक दिन पहले सुपरस्टार प्रभास ने अनुष्का को खास शुभकामनाएं दी। प्रभास ने अपने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने 'घाटी' का ट्रेलर लिंक भी अपलोड किया है और अनुष्का को बड़े ही अपनेपन से 'स्वीटी' कहकर शुभकामनाएं दी हैं। प्रभास ने लिखा है, घाटी का ट्रेलर बहुत ही दमदार लग रहा है। स्वीटी, मैं तो आपको इस ताकतवर रोल में देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। पूरी टीम को मेरी तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं! फिल्म में अनुष्का को एक्शन अवतार में देखा जाएगा।

प्रभास और अनुष्का की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों ने ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' में एक साथ काम किया था। अनुष्का शेट्टी इस फिल्म से करीब दो साल बाद वापसी कर रही हैं। पिछली बार वह 2023 की फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलिशेट्टी' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने हल्का-फुल्का किरदार निभाया था।

'घाटी' में उनका अंदाज एकदम अलग है। फिल्म की कहानी में अनुष्का एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो नशे के कारोबार में उलझ जाती है और हर कदम उसके लिए खतरा बन जाता है। इसमें अपराध की दुनिया के साथ-साथ संघर्ष, हिम्मत और जीने की जद्दोजहद को भी दिखाया गया है।

फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी ने किया है। यह जगरलामुदी के साथ अनुष्का की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों ने हिट फिल्म 'वेदम' में साथ काम किया था। इस फिल्म में अनुष्का शेट्टी के अलावा, विक्रम प्रभु भी लीड रोल में हैं। पहले यह फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में शेड्यूल हुई थी, लेकिन काम पूरा नहीं हो पाया, जिसके चलते मेकर्स को डेट आगे बढ़ानी पड़ी। अब यह फिल्म 5 सितंबर को तमिल, तेलुगू, हिंदी और अन्य भाषाओं में प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

अक्षय कुमार ने 'लोका' फिल्म की अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन की प्रशंसा में संदेश पोस्ट किया

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेता अक्षय कुमार ने अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन की प्रशंसा की है, जिनकी नवीनतम फिल्म 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही है। अक्षय कुमार ने कल्याणी के पिता फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के साथ 'हेरा फेरी, गरम मसाला' और 'भूल भुलैया' में काम किया है। अक्षय ने बुधवार शाम को 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रतिभा परिवार से आती है...सुना था, अब देख लिया! प्रियदर्शन सर की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन के शानदार अभिनय के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनने को मिलीं। उन्हें और लोका की पूरी टीम को हिंदी संस्करण के रिलीज पर मेरी शुभकामनाएं।

लोका चैप्टर 1: चंद्रा के जरिए एक महिला सुपरहीरो के किरदार ने मलयालम सिनेमा में पदार्पण किया है। इसमें कल्याणी चंद्रा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक शक्तिशाली, पौराणिक कथाओं से प्रेरित नायिका है, जो लोककथाओं और काल्पनिक तत्वों से ओतप्रोत आधुनिक दुनिया में यात्रा करती है। डोमिनिक अरुण द्वारा निर्देशित और वेफेयरर फिल्म्स के तहत दुलकर सलमान द्वारा निर्मित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और दक्षिण भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला प्रधान फिल्म बन गई है। इसने पहले ही हफ्ते में दुनिया भर में 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। आलोचकों ने भी फिल्म में विश्व-निर्माण, मनोरंजक कथा और कल्याणी के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा की है।

फिल्म में नसलेन, सैंडी, अरुण कुरियन, चंदू सलीमकुमार, निशांत सागर, रघुनाथ पलेरी, विजयराघवन, नित्या श्री और सारथ सभा भी हैं। अक्षय फिलहाल प्रियदर्शन के साथ 'भूत बंगला' और 'हैवान, फिल्मों पर काम कर रहे हैं। वह फिलहाल 'जॉली एलएलबी 3' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, जो 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन सुभाष कपूर ने किया है और उनके सह-कलाकार अरशद वारसी हैं।

एक्शन और डायलॉग पैक्ड फिल्म अजेय का ट्रेलर रिलीज, दिखेगा योगी का दमदार अवतार

मुंबई/एजेन्सी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर बनी फिल्म 'अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी' का ट्रेलर गुरुवार को जारी कर दिया गया। इस फिल्म को 19 सितंबर को रिलीज किया जाना है, जिसका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, ट्रेलर की शुरुआत में विजुअल के साथ वॉयस ओवर चलता है, जिसमें पूर्वांचल के कद्दावर नेता अवधेश राय की गोली मारकर हत्या से जुड़ी खबर दिखाई जाती है।

इसमें बाद गोरखपुर में कर्फ्यू की घोषणा की जानकारी दी जाती है। इस सीन में एक जीप पर भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ भी दिखाए जाते हैं, जो आगे की सीट पर बैठकर कैमरे से फोटो क्लिक करते हैं। इस सीन के अगले फ्रेम में फिल्म में योगी आदित्यनाथ का किरदार निभा रहे अनंत जोशी की एंट्री होती है, जो एक दमदार डायलॉग बोलते सुनाई देते हैं, ''हमेशा अक्ल का नहीं, कभी-कभी बल का प्रयोग भी करना पड़ता है।'' इसके बाद अनंत जोशी का एक्शन अवतार भी दिखाई देता है, जिससे साफ है कि फिल्म में एक्शन और डायलॉग का डबल डोज दर्शकों को मिलने वाला है। एक सीन में अनंत जोशी को कॉलेज में भी दिखाया जाता है, जहां वे राजनीति को मानव सेवा बताते दिखते हैं।

एक और सीन में अपने उद्देश्य को खोजते हुए वह अपने गुरुदेव से मिलते हैं, जो कहते हैं ''उद्देश्य कठिन है, सब कुछ त्यागना होगा।'' जवाब में अनंत जोशी कहते हैं, ''सब कुछ त्याग कर ही आया हूं।'' इसके बाद फिल्म के मार्मिक पहलू को दिखाया जाता है, जहां गुरु की भूमिका में परेश रावल उत्तराधिकारी के बारे में बात करते दिखते हैं। अनंत जोशी के ऑनस्क्रीन माता-पिता अखबार पढ़ते हुए कहते हैं, 'दो साल बाद बेटा मिला है।' फिल्म में मां, उसके पुत्र और गुरुदेव के बीच मार्मिक सीन भी दिखाए गए हैं। 'गंगा तो अब बहेगी,' 'एक रहोगे तो सेफ रहोगे,' और 'मेरा बैठना आपको यहां ले आया, सोचिए जिस दिन खड़ा हो गया, उस दिन क्या होगा' जैसे डायलॉग फिल्म के कंप्लीट पैकेज की ओर इशारा करते हैं।

फिल्म में अनंत जोशी के अलावा भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', परेश रावल, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर, गरिमा विक्रांत सिंह और सरवर आहूजा जैसे कलाकार भी अहम किरदार निभाते दिखेंगे।

इस फिल्म का निर्देशन रविंद्र गौतम ने किया है, जबकि संगीत मीत ब्रदर्स ने तैयार किया है। इसकी कहानी लेखक शांतनु गुप्ता की चर्चित किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' से प्रेरित है।

'द बंगाल फाइल्स' की प्रोड्यूसर ने राष्ट्रपति को लिखी चिट्ठी, फिल्म पर राजनीतिक दबाव का जताया विरोध

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास पोस्ट किया, जो अब चर्चा का विषय बन गया है। इसमें उन्होंने 'द बंगाल फाइल्स' फिल्म की निर्माता पल्लवी जोशी का एक पत्र पोस्ट किया, जो भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखा गया है। यह पत्र और इसके साथ लिखा गया कैप्शन दोनों ही उस मुद्दे को उजागर करते हैं, जिससे फिल्म रिलीज होने में बाधा आ रही है। पत्र की शुरुआत में पल्लवी जोशी सम्मान के साथ राष्ट्रपति को संबोधित करती हैं और कहती हैं कि यह पत्र किसी खास मदद या सुविधा के लिए नहीं, बल्कि अपनी सुरक्षा और फिल्म की स्वतंत्रता के लिए लिख रही हैं। उन्होंने लिखा, '''द बंगाल फाइल्स' एक बहुत महत्वपूर्ण फिल्म है, जो भारत के इतिहास के एक दर्दनाक हिस्से, हिंदू नरसंहार और भारत के विभाजन के दौरान हुई त्रासदियों को दर्शाती है। यह फिल्म न केवल एक कहानी है, बल्कि सच्चाई की आवाज है, जिसे जनता तक पहुंचाना जरूरी है।'' उन्होंने पत्र में आगे बताया है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने पहले इस फिल्म का विरोध किया था और तब से इस पर राजनीतिक दबाव बढ़ गया है। कई पुलिस एफआईआर दर्ज हो गई हैं, ट्रेलर को भी ब्लॉक कर दिया गया है, और सबसे गंभीर बात यह है कि थिएटर मालिक इस फिल्म को दिखाने से डर रहे हैं

क्योंकि उन्हें राजनीतिक पार्टी के लोगों से धमकी मिल रही है। इस वजह से फिल्म की रिलीज को रोकने की कोशिश हो रही है।

पल्लवी जोशी ने अपनी बात को पत्र में लिखते हुए आगे कहा कि उनका परिवार भी इन धमकियों से परेशान है। वे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हैं कि इस फिल्म को और इसके कलाकारों को सुरक्षा दें ताकि सच की यह आवाज दब न सके। पत्र में उन्होंने कहा, ''पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता विक्टर बनर्जी समेत भारत और विदेश के कई बंगाली संगठनों ने पहले ही आपकी सहायता के लिए पत्र लिखा है।

उनका समर्थन दिखाता है कि सत्य के लिए अभी भी साथ देने वाले हैं, लेकिन फिर भी राजनीतिक दबाव फिल्म की रिलीज में बाधा बन रहा है।''

उन्होंने लिखा है कि यह सिनेमा सत्य का है, लेकिन सत्य को सुरक्षा की भी जरूरत है। इस पत्र को साझा करते हुए विवेक रंजन अग्निहोत्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में इसे एक 'तत्काल अपील' बताया। उन्होंने राष्ट्रपति को टैग करते हुए लिखा, ''मैं बेहद दुखी हूं कि बंगाल में राजनीतिक दबाव और धमकियों के कारण फिल्म को रिलीज नहीं होने दिया जा रहा। मैं चाहता हूं कि आप इस मामले में हस्तक्षेप करें और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करें ताकि फिल्म बंगाल में रिलीज हो सके।'' उन्होंने कैप्शन में इस अपील में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी टैग करते हुए शामिल किया, ताकि इस मुद्दे को जल्दी से जल्दी सुलझाया जा सके।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शनिवार | 06-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर जिज्ञासुओं को मार्गदर्शन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि गुरुकुल हो या विद्यालय, अक्षरज्ञान से हमारी शिक्षा का प्रारंभ होता है।

'जीतो जेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' प्रदर्शनी का हुआ भव्य शुभारंभ

उप मुख्यमंत्री के साथ अन्य राजनेता हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स महिला विंग एवं जीतो केकेजी ज़ोन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित त्रिपुरा वासिनी सभागार में तीन दिवसीय भव्य प्रदर्शनी 'जीतो जेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी' का शुभारंभ हुआ। जीतो, केकेजी जोन तथा जीतो पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से आयोजन की विधिवत्त शुरुआत हुई। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने फीता काटकर शुभारंभ करने के बाद कहा कि ऐसे आयोजनों से राज्य की आर्थिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि को नई दिशा मिलती है, उन्होंने इस आयोजन को व्यापार और संस्कृति का अनूठा संगम बताया। इस मौके पर उपस्थित बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद पी. सी. मोहन ने जीतो के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी उद्यमिता और परंपरा दोनों को एक साथ जोड़ती है। विधायक एम. कृष्णप्पा ने इसे कर्नाटक की व्यवसायिक गतिविधियों में नई ऊर्जा का वाहक बताया। ङ्कङ्कप्रदर्शनी के शुभारंभ में उपस्थित जीतो अपेक्स, जोन, बेंगलूरु जीतो के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए जीतो नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि जीतो हमेशा ही जन मानस की आकांक्षाओं पर खरा उतरा है और आगे भी प्रयासरत रहेगा। जेवर एकस्पो के संयोजक सुरेश गन्ना एवं ब्राइडल स्टोरी संयोजक सुमन सिंघवी ने आयोजन के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर जीतो केकेजी जोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना, अपेक्स श्रमण आरोग्यम के अध्यक्ष रमेश हरण, जीतो अपेक्स के अध्यक्ष विजय भंडारी, अपेक्स महिला विंग की अध्यक्ष शीतल दुग्गड़, डायरेक्टर इंचार्ज सोनाली दुग्गड़, अपेक्स सचिव ललित डांगी ने भी विचार व्यक्त किए।

जीतो अपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज के लिए एक मास्टर स्ट्रोक साबित होगा। जीतो अपेक्स के पूर्व चेयरमैन तेजराज गुलेच्छा ने आयोजन की शुभकामना देते हुए साधार्मिकों के लिए योजनाओं की परिपक्वता पर ज्यादा जोर देने का अनुरोध किया। जीतो की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।ङ्कसमारोह में ज़ेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी के सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया। उद्घघाटन के लगभग 30 से अधिक आभूषण प्रतिष्ठान व वैवाहिक उद्योग से जुड़े विभिन्न स्टॉलों ने अपने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया जिसमें बड़ी संख्या में संभावित ग्राहकों ने स्टालों का दौरा किया। रविवार तक चलने वाली इस प्रदर्शनी के मुख्य प्रायोजक निर्मल ज्वेलर्स, सहप्रायोजक ड्रेसकोड, फूड प्रायोजक एसके ज्वेल्स, सहायक प्रायोजक एनवी प्लस, सहयोगी प्रायोजक डूंगरपुर सीपी टेक्स, हैप्पीलो, क्राफ्टर, कूल कलर व बेंगलूरु कैफ़े प्रतिष्ठान हैं। इस प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। जीतो बेंगलूरु नार्थ के महामंत्री विजय सिंघवी एवं केकेजी जोन के महामंत्री दिलीप जैन ने संचालन किया। धन्यवाद सह संयोजक प्रवीण दक ने दिया।

मानव को भजन से ज्यादा भोजन की चिंता : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि भाग्य बड़ा तो भजन करो। भाग्य अच्छा है, शरीर स्वस्थ है और परिवार अच्छा है तो भजन करो। भगवान का कीर्तन करो, धर्म ध्यान करो। लेकिन विडंबना यह है कि समय अच्छा होने पर मनुष्य भजन नहीं करता है। भोजन करने में मनुष्य होशियार है, लेकिन भजन करने से भागता है। मनुष्य तीन बार भोजन करता है। लेकिन भजन एक बार भी नहीं करना चाहता है। अगर कोई बोले तो वो एक बार भजन करेगा और उसमें भी झंझट करता रहेगा। मनुष्य का अगर मन भजन करने को करता भी है तो भी उसको सही से नहीं कर पाता है। तीन बार भोजन करने वाला एक बार भजन नहीं कर पा रहा है। पुराने लोगों में भोजन से पहले भजन करने की धारणा थी। पहले लोग सामायिक करने के लिए हर काम छोड़ देते थे। लेकिन अब लोग काम के लिए धर्म ध्यान को छोड़ देते हैं। भोजन करने के लिए मनुष्य कुछ भी करता है। लेकिन भजन के लिए कोई प्रयास नहीं करता है। याद रखो जिसकी जैसी भावना होगी उसका जीवन भी वैसा ही हो जाएगा। समय रहते ही धर्म ध्यान किया जा सकता है।

संतश्री ने कहा कि मनुष्य के पास किसी चीज की कमी नहीं बल्कि मन में कमी होती है। जिस प्रकार मनुष्य भोजन और संसार के काम में व्यस्त है वैसे ही भजन में व्यस्त रहना चाहिए। धन की दौड़ ज्यादा है लेकिन धर्म की दौड़ कम होती जा रही है। मनुष्य का जितना चित्त धन में है अगर वही धर्म में लग जाए तो कल्याण हो जाए। धन सिर्फ मोह का जाल है। खुद की करनी खुद ही भरनी पड़ेगी। इसलिए मनुष्य को मोह माया से आश छोड़ कर धर्म भजन में लग जाना चाहिए। समय आयेगा तो जगत का कोई भी मोह काम नहीं आएगा। यहीं सब कुछ छोड़ के जाना पड़ेगा। सभा में संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सबका स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

विद्या गुरु का सम्मान है साक्षात सरस्वती की पूजा : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर जिज्ञासुओं को मार्गदर्शन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि गुरुकुल हो या विद्यालय, अक्षरज्ञान से हमारी शिक्षा का प्रारंभ होता है। माता-पिता जन्म देते हैं, लेकिन जन्मजात कोई विद्वान या प्रबुद्ध नहीं होता। ज्ञान और बोध प्राप्त कर ही हम मनुष्य बनने की योग्यता प्राप्त करते हैं। बिना ज्ञान, बुद्धि और विद्या के बड़े हो रहे मनुष्य को शास्त्रों ने पशुतुल्य ही माना है। अक्षरज्ञान विद्याप्राप्ति का प्रारंभिक चरण है। फिर धीरे-धीरे पढ़ने, लिखने, बोलने, सीखने, समझने, अनुभव करने और जीने का क्रम आगे बढ़ता है। इसी प्रकार जीवन में विनय, विवेक, संस्कार और सदाचार की संपूर्ण जीवनशैली का निर्माण होता है। ज्ञान, विद्या और बुद्धि ही जीवन की समग्र गतिविधियों को संचालित करते हैं। बिना इनके मूर्खता, जड़ता और मूढ़ता कभी दूर नहीं होती और मनुष्य पारंगत नहीं बनता, इसलिए भारतीय संस्कृति ने ज्ञान, विद्या और बुद्धि को सरस्वती कहा है और इसे प्रदान करने वाले सारस्वत यानी शिक्षक। यह शिक्षा-दीक्षा कदम-कदम पर हमारे जीवन को प्रभावित करती है। इसी के आधार पर यह निर्धारित होता है कि हम कैसे मनुष्य हैं और कितने ज्ञानी हैं। इस रूप में ज्ञानदाता-विद्यादाता शिक्षक को विद्यागुरु कहा गया है। वे पूजनीय और उपकारी होते हैं। जो उनसे प्राप्त होती है, वह जीवन की अमूल्य ज्ञानसमृद्धि है और वह कभी नष्ट नहीं होती। अक्षरज्ञान से उपलब्धियों का क्रम प्रारंभ होता है, जो निरंतर बढ़ता ही रहता है। जीवन धन्य बन जाता है। इस अर्थ में माता-पिता हमारे जन्मदाता है और विद्यागुरु जीवनदाता।

जैनाचार्य ने कहा कि धर्मगुरु और विद्यागुरु, दोनों परोपकारी-कल्याणकारी कहे गए हैं। ये दोनों ही सदाचारी-बलिदानी होने चाहिए। ये दोनों कुछ लेने के लिए नहीं, सर्वस्व देने के लिए दुनिया में अवतरित होते हैं। धर्मगुरु और विद्यागुरु जो दे सकते हैं, वो कोई और नहीं दे सकता। इनकी शक्ति अपरंपार होती है। संसार में चमत्कारों का सृजन ये करते हैं। आज तक के इतिहास में जो भी बड़े और महान व्यक्तित्व पैदा हुए हैं, उनके पीछे किसी धर्मगुरु या विद्यागुरु की मझबूत भूमिका रही है। शिक्षक दिवस तो वर्ष में एक दिन मनाया जाता है, लेकिन शिक्षादाता गुरु के प्रति सम्मान प्रतिपाल होना चाहिए, तभी शिक्षा फलीभूत होती है। इसलिए धर्मगुरु या विद्यागुरु का अपमान वह भगवान और सरस्वती का अपमान माना गया है।

जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि शनिवार दोपहर को पहला बाल संस्कार शिविर आयोजित होगा। गणि पद्मविमलसागरजी उन्हें परिवार, समाज, धर्म, राष्ट्र, स्वभाव, व्यवहार, आहार, संस्कार, सदाचार और व्यक्तित्व विकास आदि से संबंधित अनेक विषयों की तलस्पर्शी शिक्षा-दीक्षा देंगे।

आचार्य भिक्षु आध्यात्म के शिखर पुरुष थे : साध्वी पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष में चरम महोत्सव का कार्यक्रम स्थानीय तेरापंथ भवन में आयोजित हुआ।

साध्वीश्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु आध्यात्म के शिखर पुरुष थे। वे सत्य के प्रति सर्वात्मना समर्पित थे। वे एक अनूठे त्यागी, अनूठे वैरागी और अनूठे योगी पुरुष थे। उन्होंने तेरापंथ को एक गुरु, एक आचार और एक विचार की परम्परा देकर तेरापंथ को एक आदर्श धर्मसंघ के रूप में प्रतिष्ठित किया। साध्वीश्री जी ने आचार्य भिक्षु की संघ को अंतिम शिक्षाओं का उल्लेख किया। आचार्य भिक्षु ने दीक्षा देने के विषय में शिक्षा देते हुए कहा कि शिष्य संपदा के मोह में हर किसी को दीक्षा मत देना, योग्यता की परख कर दिक्षा देना, परस्पर प्रेम रखना। साध्वी बोधिप्रभाजी ने वक्तव्य के द्वारा अपने भावों की प्रस्तुति दी। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने मर्यादा और अनुशासन से सिंचित एक सुदृढ़ संघ देने हेतु तेरापंथ के आद्य प्रणेता आचार्य भिक्षु के प्रति कृतज्ञता के रूप में अपनी श्रद्धा समर्पित की। तेरापंथ महिला मण्डल की सदस्याओं द्वारा आचार्य भिक्षु की बोलती तस्वीरें कार्यक्रम की रोचक प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर तपस्याओं ने प्रत्याख्यान ग्रहण किए। कार्यक्रम का संचालन साध्वी वर्धमानयशा जी ने किया।

गुरु से ही होता है जीवन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में आचार्य जयमल जयंती प्रसंग पर साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि आचार्य जयमल जी ने अपनी साधना से युग की धारा ही बदल दी थी।

आगम के स्थान पर उस समय के यतियों ने अपनी परंपराएं और मान्यताएं आम जनता पर थोप दी थीं और डर का माहौल पैदा कर दिया था। ऐसे वक्त पर जयमल जी ने अनेक परिषहों को सहते हुए आगम सिद्धांतों की पुनर्स्थापना की। लोकाशाह, लवजी ऋषि, धर्मदास जी की तरह आचार्य जयमल जी को भी जिनशासन में वही स्थान प्राप्त है। आचार्य जयमल जी का नाम उनके माता महिमा देवी और पिता मोहनदास जी ने तत्कालीन घटनाओं के संदर्भ में रखा था। इस से यह संदेश मिलता है कि हम भी अपने बच्चों का नाम अर्थ पूर्ण और गुण संपन्न रखें।

साध्वी ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि गुरु का हमारे जीवन में अतुलनीय स्थान है। गुरु से ही हमारा जीवन शुरू होता है। गुरु हमें जीवन शैली सिखाते हैं। वे कुम्हार सम निर्माता होते हैं जो पात्र की योग्यता को निखारने में पारंगत होते हैं। हमारी आत्मा में अनंत शक्ति और ज्ञान का बोध भी गुरु ही कराते हैं। गुरु जयमल इस युग के प्रधान आचार्य थे। इस प्रसंग पर चेन्नई रायपुर महिला मंडल और युवा मंडल ने गुरु गुणगान किया तथा साध्वी वृंद से आगामी चातुर्मास हेतु निवेदन किया।

सभा में उपस्थित रिद्धिप्रभा जी के सांसारिक वीर माता पिता राजेंद्र कुमार एवं रामकला बाई का संघ की ओर से सम्मान किया गया।

जयमल जयंती प्रसंग पर जय जाप का आयोजन हुआ। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए आज शिक्षक दिवस पर समस्त गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

आचार्य भिक्षु सत्य खोजी, अंतर्मुखी साधक थे : मुनि पुलकित कुमार

गांधीनगर में 223 वां भिक्षु चरमोत्सव आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में शुक्रवार को मुनि डॉ पुलकित कुमारजी, व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य आचार्यश्री भिक्षु का 223 वां चरमोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा आचार्य भिक्षु सत्यखोजी और अंतमुर्खी साधक थे। उन्होंने भगवान महावीर स्वामी की आगम वाणी को अपने धर्म क्रांति का आधार बनाया था। उनके मन में वीतराग वाणी के प्रति अगाध श्रद्धा थी।

आचार्य भिक्षु ने तेजस्वी जीवन जीते हुए विक्रम संवत 1860 भाद्रपद शुक्ला तेरस को सिरियारी राजस्थान में सात प्रहर का अनशन पूरा किया। इसी दिन की वार्षिक तिथि को भिक्षु चरमोत्सव के रूप में मनाया जाता है। आचार्य भिक्षु के समर्पण भाव को व्याख्यायित करते हुए मुनिश्री ने कहा आचार्य भिक्षु की धर्म क्रांति का प्रसिद्ध वाक्य था, हे प्रभो, यह तेरापंथ अर्थात इस पंथ में मेरा कुछ भी नहीं है सब कुछ आपका ही बताया हुआ सत्य मार्ग है, हम तो केवल इस पथ पर चलने वाले पथिक मात्र है। यह आचार्य भिक्षु के अहंकार मुक्ति का उत्कृष्ट भाव था ।

मुनिश्री ने आचार्य भिक्षु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु का नाम मंत्र के रूप में भी काम करता है जो लोग श्रद्धा से जाप करते हैं उनके जीवन में अनेक चमत्कार भी घटित होते हुए देखे गए हैं । मुनिश्री आदित्य कुमार ने भिक्षु स्तुति प्रस्तुत की। मुनिश्री के महामंत्र उच्चारण से कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ । तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने स्वागत भाषण किया। उपासक विनोद कोठारी, बहादुर सेठिया, सिंधनुर ज्ञानशाला की प्रशिक्षिका कीर्ति नाहर, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल से वीणा बैद ने विचार व्यक्त किए। । कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया ।

अनेक श्रावक श्राविकाओं ने भिक्षु चरमोत्सव के उपलक्ष्य में तेले की तपस्या तथा उपवास, एकासन का प्रत्याख्यान किया। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर बेंगलुरु द्वारा 24 घंटे का ओम भिक्षु जय भिक्षु अखंड जाप का आयोजन किया गया

यशवंतपुर तेरापंथ भवन में मनाया भिक्षु चरमोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यशवंतपुर तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य मे त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें साध्वी सोमयशाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु सत्य के पुरोधा, आत्मार्थी व प्रखर बुद्धिमान थे। उन्होंने जो कहा आगमवाणी बन गई, जो लिखा वह ग्रंथ बन गया, जो देखा वह पंथ बन गया। डा.साध्वी सरलयशाजी ने कहा कि भिक्षु दूरदर्शी थे। उनका उद्यमवीर्य धृतिवीर्य, योगवीर्य,तपोवीर्य, शीलवीर्य बेजोड था। हम उन्हें ही याद करते है जिन्होंने हम पर उपकार किया हो। ऐसे गुरु को हम नमन करते है। महिला मंडल द्वारा भिक्षु अष्टकम का संगान किया। महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा पितलिया, सभा के उपाध्यक्ष विजयराज बरड़िया, मीनाक्षी दक ने विचार व्यक्त किए। सुरेश कोठारी, नवीन बरड़िया ने भिक्षु स्तुति का संगान किया। भवन में ओम भिक्षु जप का अखंड अनुष्ठान व अनेक तपस्या के प्रत्याख्यान हुए।

मन को आत्मा से जोड़ें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि मन आत्मा से जुड़े तो साधक साधना में अनेक प्रकार की कर्मों की निर्जरा कर सकता है। शरीर पराधीन है पर आत्मा स्वाधीन है। मन से जीव सातवीं नरक का बंध कर लेता है तो मन से ही मुक्ति सिद्धि पद मुक्ति की प्राप्ति भी कर सकता है।

मन दुर्गति में ले जाता है, वहीं मन के शुभ भावों से जुड़ने पर जीवात्मा सद गति में भी जा सकता है। उन्होंने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधययन सूत्र पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि जब मन शरीर के धरातल पर जीएं तो दुर्गति ही होगी । लेकिन जब आत्मा के धरातल पर मन जुड़ता है तो जीवन में सुख शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि साधक आत्मा को हर सम विषम परिस्थितियों में समता, समभाव, सहनशीलता का गुण अपनाना चाहिए जिससे उसकी साधना सार्थक फल प्रदान करने वाली होगी। श्री शालिभद्र मुनि जी ने भजन के माध्यम से संसार की नश्वरता,असारता और विचित्रता का वर्णन किया। साध्वी श्री तरुणशीला जी म सा ने अपने संबोधन में कहा कि जहां दया है वहां धर्म है, जहां लोभ है वहां पाप है, जहां क्षमा, सत्य और विनय है वहां सभी सद्गुणों का निवास है। साध्वी समृद्धि श्री जी ने गीतिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर पुणे संघ की ओर से अशोक सालेचा ने गुरुदेव श्री नरेश मुनिजीएवं समस्त साध्वी मंडल की आगामी वर्ष 2026 की आगामी चातुर्मास के लिए निवेदन किया।

चुण्डावत बने मेवाड़ राजपूत संघ के अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय राजपूतों समाज को संगठित कर उनके हितों को बेहतर बनने के उद्देश्य से शहर के राजपूत बंधुओं ने मिलकर एक नए संगठन 'मेवाड़ राजपूत संघ' का गठन किया। संगठन के संस्थापक सदस्यों ने सर्वसम्मति से बलवीरसिंह चुण्डावत का अध्यक्ष चुना। इस मौके पर नव नियुक्त अध्यक्ष चुण्डावत ने अपने संबोधन में समाज के छोटे व मध्यम वर्ग के लोगों बंधुओं को समृद्ध बनने पर जोर दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

॥ श्री जयमल्लाय नमः ॥ ॥ श्री महावीराय नमः ॥ ॥ जय गुरु पार्श्व-पद्म ॥
श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ
हलसूरु, बेंगलूरु
श्रद्धेय आचार्य भगवंत पूज्य श्री जयमलजी म.सा.
का 318 वां जन्मोत्सव
रविवार दि. 7.9.2025
जय गच्छाधिपति, वचन सिद्ध साधक, संयम सुमेरु, आचार्य भगवंत
1008 पू. श्री पार्श्वचन्द्रजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी
पूज्य महासतीजी श्री शशिप्रभाजी, श्री इंदुप्रभाजी,
श्री निपुणप्रभाजी, श्री वृद्धिप्रभाजी, श्री रिद्धिप्रभाजी म.सा. के
शुभ सानिध्य एवं हलसूरु संघ के तत्वावधान में भीष्म प्रतिज्ञाधारी, चर्चा चक्रवर्ती,
एकाभवावतारी, युगप्रधान आचार्य श्री जयमलजी म.सा.
की 318 वीं जन्य जयंती रविवार दि. 7.9.2025 को प्रातः 9 बजे से
सामायिक, तप-त्याग, गुणानुवाद के साथ मनाई जाएगी। आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।
आयोजन स्थल : श्री मुदलियार संघम, Osborne Road,
जैन मंदिर के पास, हलसूरु लेक के पास, शांतिसागर होटल के पीछे, बेंगलूरु
मनुहार : आपश्री के सम्मान में आयोजन स्थल पर
सत्कार भोजन का आयोजन है। कृपया सेवा का लाभ प्रदान करें।
आयोजन स्थल पर पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध है।
संपर्क : 94482 64745, 93412 18945, 94480 03611, 88809 18888, 88672 00080
निवेदक : श्री श्वे. स्था. जैन श्रावक संघ, हलसूरु, बेंगलूरु
अध्यक्ष : धनपतराज बोहरा मंत्री : अभयकुमार बांठिया
सकल संघ, कार्यकारिणी, महिला मंडल, श्री जैन युवक संघ, नवकार बहु मंडल

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com